राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

फरीदाबाद की आवाज़

RNI No. - DELHIN/2017/76338

Email faridabadkiawaz@gmail.com

Website. www.faridabadkiawaz.com

वर्ष: 02 अंक: 41 दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 09 सितम्बर –15 सितम्बर 2019 मूल्य: 5/– रू. पृष्ठ: 8

5 दिवसीय गणेश महोत्सव सम्पन्न

कल्कि को मिला नया प्यार

देश की आवाज़

भारत को सौंपें जाकिर नाइक

व्लादिवोस्तोक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद से मुलाकात की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पर नयी दिल्ली के फैसले के पीछे की वजह बताई और विवादास्पद भारतीय इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण की मांग की। नाइक मनी लांड्रिंग और कट्टरपंथ को बढ़ावा देने के आरोप में भारत में वांछित है। प्रधानमंत्री मोदी ने रूस में पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ) की पांचवीं बैठक से इतर मलेशिया के प्रधानमंत्री से बात की।

मोदी ने ट्वीट किया, 'ज्मुलाकात अच्छी रही। हमने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर बातचीत की।' बाद में विदेश सचिव विजय गोखले ने कहा, 'दोनों नेताओं ने आतंकवाद और उसके बढ़ते खतरे से निपटने को लेकर चर्चा की।' उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री महातिर ने स्वीकार किया कि आतंकवाद एक वैश्विक समस्या है और मलेशिया हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ है।' यहां उल्लेखनीय है कि भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने के

कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी महातिर से फोन पर बात की थी।

अब मोदी-महातिर मुलाकात के संबंध में गोखले ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण का मामला उठाया। दोनों पक्षों ने फैसला किया है कि हमारे अधिकारी संपर्क में रहेंगे। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण मामला है।' बता दें कि 53 वर्षीय नाइक टेलीविजन के माध्यम से उपदेश देने वाला एक कट्टरपंथी उपदेशक है। उसने 2019 में भारत छोड़ा और मुस्लिम बहुल देश मलेशिया चला गया जहां उसे स्थायी रूप से रहने की अनुमति दे दी गई। मलेशिया के हिंदुओं और चीनी लोगों के खिलाफ टिप्पणियों के बाद उसकी सार्वजनिक गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया गया था।

बहरहाल, बृहस्पतिवार को भारत और मलेशिया के बीच व्यापार और द्विपक्षीय संबंधों पर भी चर्चा हुई। रूस का 36 घंटे का दौरा समाप्त करने के बाद मोदी ने ट्वीट किया, 'धन्यवाद रूस। यह सफल दौरा रहा। इस दौरे के परिणाम से भारत और रूस और नजदीक आएंगे। स्वागत- सत्कार के लिए राष्ट्रपति पुतिन, सरकार और रूस के लोगों का आभार।'

रूस को भारत देगा एक अरब डॉलर: भारत ने बृहस्पतिवार को रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र के विकास के लिये 'अप्रत्याशित' एक अरब डॉलर की कर्ज सुविधा देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संसाधन से भरपूर रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र के विकास के लिये भारत उसके साथ कंधे से कंधे मिलाकर चलेगा। उन्होंने कहा, 'मेरी सरकार पूर्व की ओर कार्य करो (एक्ट ईस्ट) की नीति पर सक्रियता से काम कर रही है। मुझे भरोसा है कि संबंधों को नई गति मिलेगी।'

चिदंबरम को 19 तक भेजा तिहाड़

नयी दिल्ली। आईएनएक्स मीडिया भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने बृहस्पतिवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में 19 सितंबर तक तिहाड़ जेल

भेज दिया। उधर, सुप्रीमकोर्ट ने इसी मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। सुप्रीमकोर्ट ने कहा कि आर्थिक अपराध के मामलों में अलग तरीके से निपटना होगा, क्योंकि यह देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं।

इसी दौरान चिदंबरम ने सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार मामले में गैर जमानती वारंट जारी करने और हिरासत में लिए जाने के निचली अदालत के आदेशों के खिलाफ दायर याचिका बिना शर्त वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे शीर्ष अदालत ने मान लिया। उधर, सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर एयरसेल-मैक्सिस मामलों में एक अन्य विशेष अदालत ने चिदंबरम और उनके पुत्र कार्ति को अग्रिम जमानत दे दी है।

ईडी की हिरासत में जाना चाहते थे = आईएनएक्स मीडिया मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शीर्ष अदालत से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद विशेष जज अजय कुमार कुहाड़ की अदालत में चिंदबरम के वकील ने उन्हें तिहाड़ भेजने का विरोध करते हुए कहा कि वह ईडी की हिरासत में जाने के लिए तैयार हैं। इस पर अदालत ने ईडी को नोटिस जारी किया। इससे पहले सुप्रीमकोर्ट ने चिदंबरम को राहत देने से इनकार करते हुए कहा, 'यह अग्रिम जमानत देने के लिए उचित मामला नहीं है।

सम्पादकीय

वायुसेना को ताकत

दिनेश शर्मा

पठानकोट एयर बेस पर तैनात हुए 'अटैक हेलीकॉप्टर' के रूप में मशहूर अपाचे हेलीकाप्टरों को भारतीय वायुसेना के आधुनिकीकरण की दिशा में वक्त की जरूरत कहा जा सकता है। मार्च में मालवाहक चिनाकू हेलीकॉप्टर वायुसेना में शामिल हुए थे। जटिल भौगोलिक सीमाओं में उपयोगी, आतंकवाद से जूझने में सहायक और सुरक्षा जरूरतों के लिहाज से एएच-64 ई अपाचे हेलीकॉप्टर के विशिष्ट मायने हैं। गति, मारक क्षमता तथा दुश्मन के रेडार को चमका देने जैसी खूबियों के चलते यह वायुसेना को नई ताकत देने वाला है। भले ही अमेरिकी कंपनी बोइंग से हुए समझौते के चार साल बाद इस लड़ाकू हेलीकॉप्टर की पहली खेप के रूप में आठ हेलीकॉप्टर भारत को मिले हों, मगर लगातार पुराने पड़ते लड़ाकू जहाजों के बीच इनकी खरीद वायुसेना का मनोबल बढ़ाने वाली है। मोदी सरकार के कार्यकाल में ही बाइस अपाचे हेलीकॉप्टरों की खरीद का सौदा हुआ था। पुराने पड़ चुके हेलीकॉप्टर एमआई-35 की जगह लेने वाले अपाचे की गिनती दुनिया के उन्नत व घातक हेलीकॉप्टरों में होती है। विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों तथा आतंकवाद की चुनौती से मुकाबले में इस हेलीकॉप्टर की सफलता का प्रतिशत ऊंचा रहा है। पिछले दिनों एयर चीफ मार्शल ने साढ़े चार दशक पुराने लड़ाकू मिग विमान उड़ाने के जोखिम का जिक्र करते हुए वायुसेना के आधुनिकीकरण की जरूरत को बताया था। नि:संदेह हाल के दिनों में लड़ाकू विमानों की एक के बाद होने वाली क्षति देश में चिंता का विषय बनी हुई थी। योग्य व प्रशिक्षित पायलटों व कर्मियों की क्षति के चलते शीतयुद्ध के दौरान वायुयानों को उड़ता ताबूत की संज्ञा दी जाती रही है। अपाचे को इस दिशा में महज नयी शुरुआत के तौर पर देखा जाना चाहिए। अभी वायुसेना के तमाम क्षेत्रों में आधुनिकीकरण की जरूरत है। प्रधानमंत्री की हालिया फ्रांस यात्रा के दौरान संकेत मिले हैं कि बहुचर्चित राफेल लड़ाकू विमानों की आपूर्ति भारत को इसी साल कर दी जायेगी। निश्चय ही इससे भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ेगी।

देश की सुरक्षा के लिये बढ़ती चुनौतियों और पड़ोस से लगातार दी जा रही युद्ध की धमकियों के बीच वायुसेना का आधुनिक तकनीक से लैस होना बेहद जरूरी है। दुनिया की चौथी सबसे ताकतवर वायुसेना मानी जाने वाली इंडियन एयर फोर्स की ऑपरेशनल शक्ति अपाचे हेलीकॉप्टरों की खरीद से बढ़ेगी। एक बार में ही ढाई सौ लक्ष्य भेदने में सक्षम अपाचे दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को बिखेरने की कूवत रखता है। एयर बेस को इसके लिये चुने जाने का गहरा रणनीतिक मकसद है। सीमा पार से आये दिन दी जाने वाली परमाणु और परंपरागत युद्ध की धमकी का भी यह जवाब है कि हमारी तैयारियां किसी तरह कम नहीं हैं। यह भी कि भारतीय सेनाओं का मनोबल ऊंचा है और उन्नत किस्म की मारक क्षमता भी है। दूसरे, आने वाले दिनों में सीमा पार से होने वाली घुसपैठ और पाक द्वारा आतंकवादियों को कश्मीर में इस्तेमाल करने के षड्यंत्रों पर भी अपाचे जैसे उन्नत हेलीकॉप्टरों से निगरानी की जा सकेगी। वहीं अपाचे की दूसरी खेप आने पर इन्हें चीन सीमा पर स्थित जोरहाट एयरफोर्स स्टेशन पर तैनात किया जाएगा। नि:संदेह अब एयरफोर्स ज्यादा मारक क्षमता से लैस हो जायेगी।

फाइल स्कैनिग का काम जल्द निपटाने के निर्देश

फरीदाबाद। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की प्रशासक सोनल गोयल ने निर्देश दिए हैं कि हुडा प्लॉटों की फाइल स्कैनिग का काम जल्द निपटाया जाए। प्रशासक ने हुडा के अंतर्गत चल रहे समस्त कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की। इसमें इंजीनियरिग, सर्वे, प्लानिग सहित अन्य शाखाओं के अधिकारी मौजूद थे। प्रशासक सोनल गोयल ने एक-एक विषय पर जवाबदेही तय की। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो पर आ रही शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और उनका समय पर निपटारा सुनिश्चित करें। साथ ही सीएम घोषणा के तहत चल रहे विकास कार्यों को समय पर पूरा कराएं। इसके लिए ठेकेदारों को सख्त निर्देश दिए जाएं। उन्होंने कहा कि वह जल्द कुछ जगह चल रहे कार्यों का निरीक्षण करेंगी। हुडा में कानूनी विषयों को लेकर सभी ब्रांचों व अन्य विभागों से तालमेल बिठाकर इन्हें निपटाया जाए।

हरियाणा, ओडिशा ने वसूले 1.41 करोड़

नयी दिल्ली। यातायात नियमों के उल्लंघन पर लगाम लगाने के लिये बने नये कानून के अमल में आने के महज 4 दिनों में सिर्फ 2 राज्यों हरियाणा और ओडिशा ने चलान के जरिये 1.41 करोड़ रुपये की राशि इकट्ठा की है। अधिकारियों ने कहा, 'ओडिशा मोटर वाहन विभाग ने 4,080 चालान काटे गये जिससे 88.90 लाख रुपये जमा हुए। 46 वाहन जब्त किये गये।' हरियाणा में 343 चालान काटे गये और 52.32 लाख रुपये जमा हुए। दिल्ली में पहले ही दिन 3,900 चालान काटे गये थे।

10 हजार करोड़ के अवैध लेन देन में 10 के गैर जमानती वारंट

गुरुग्राम। जिला एवं सत्र न्यायाधीश आरके सौंधी की अदालत ने करीब 10 हजार करोड़ रुपये के अवैध लेन-देन के मामले में 10 से अधिक लोगों के गैर जमानती वारंट जारी किए हैं। फर्जी लेन-देन के आरोपियों में पूर्व सीपीएस राव दान सिंह के बेटे अक्षत राव का नाम भी शामिल हैं। सीरियस फॉड इनवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा जांच के बाद अभी तक 50 से अधिक लोगों को जेल भेजा जा चुका है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाले एसएफआईओ द्वारा अदालत में दायर आपराधिक शिकायत के अनुसार घोटाले का मुख्य सूत्रधार राजस्थान का मुकेश मोदी है जिसने 1999 में आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी बनाकर कार्य शुरू किया। बाद में यह सोसायटी घोटालों व फर्जीवाड़े का अड्डा बन गई। बताया जाता है कि वर्ष 2008 में इसे कृषि मंत्रालय के तहत मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी के तौर पर रजिस्टर्ड करवा लिया। इस सोसायटी के फिलहाल देश के कई राज्यों में करीब 20 लाख सदस्य व 3 लाख 70 हजार सलाहकार और सोसायटी की 800 से अधिक ब्रांच देशभर में खुली हुई हैं। सोसायटी के पास करीब 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जमा राशि है। आरोप है कि सोसायटी एक्ट 2002 के खिलाफ इसके तहत बेनामी कंपनियां बनाई गई और इन कंपनियों को विभिन्न कार्यों के लिए फंड ट्रांसफर किए गए। बड़ी संख्या में ये कंपनियां गुरुग्राम के पतों पर रजिस्टर्ड हैं। हैरत की बात यह है कि एक ही पते पर 60-65 से अधिक कंपनियां रजिस्टर्ड हैं। जांच पड़ताल में यह भी सामने आया कि ज्यादातर कंपनियां मुकेश मोदी, उसके परिजनों, सगे संबंधियों व करीबियों द्वारा संचालित की जा रही हैं। पूर्व मुख्य संसदीय सचिव राव दान सिंह के बेटे अक्षत राव को एसएफआईओ ने जांच के तीसरे चरण में रखा है।

अनूप जलोटा ने भजनों से बांधा समां

फरीदाबाद। शहर में विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों की ओर से गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उद्योग मंत्री विपुल गोयल की ओर से आयोजित गणपति महोत्सव की अलग ही धूम है। सेक्टर-17 में सजाए गए गणपति जी के दरबार में बड़ी संख्या में अलग-अलग क्षेत्रों की हस्तियां पहुंच रही हैं।

बॉलीवुड के गायक भी बप्पा के दरबार में अपनी हाजिरी लगा रहे हैं। प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा ने भी गणेश जी के दरबार में हाजिरी लगाई, तो साथ ही खूबसूरत भजनों की प्रस्तुति दी। देवी-देवताओं की शान में प्रस्तुत किए गए भजनों से अनूप जलोटा ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कत्थक के जाने-माने गुरु पद्म विभूषण पंडित बिरजू महाराज की शिष्या इलीशादीप गर्ग और उनकी शिष्या प्रिया शर्मा ने कत्थक की उम्दा प्रस्तुति दी। उद्योग मंत्री विपुल गोयल और अनूप जलोटा ने कत्थक नृत्यांगना इलीशादीप गर्ग की प्रस्तुति की सराहना की। ऐसे ही गायक मिलिद गाबा और राजीव चोपड़ा ने अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरा।

इस मौके पर गणेश उत्सव में उद्योग मंत्री विपुल गोयल के बड़े भाई विनोद गोयल, भाजपा नेता अमन गोयल व राहुल ने अतिथियों व श्रद्धालुओं का स्वागत किया और व्यवस्था संभाली। जादूगर सीपी यादव ने दिया जल संरक्षण का संदेश

महाराष्ट्र मित्र मंडल की ओर से आयोजित सार्वजानिक श्री गणेश उत्सव में मैजिक शो का आयोजन आकर्षण का केंद्र रहा। जादूगर सीपी यादव ने हैरतअंगेज करतब तो दिखाए ही, जल, पर्यावरण संरक्षण और बेटी बचाओ का संदेश भी दिया। बड़ी संख्या में बच्चों ने कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम की शुरुआतगणेश जी की पूजा से की गई।

गैस एजेंसी मालिक से रंगदारी मांगने का आरोपित हत्थे चढ़ा

फरीदाबाद। गैस एजेंसी मालिक सेक्टर-37 निवासी संजय कुमार को फोन कर ढाई लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोपित क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर पुलिस के हत्थे चढ़ा है। आरोपित की पहचान पल्ला निवासी सुमित के रूप में हुई है।

क्राइम ब्रांच प्रभारी सब इंस्पेक्टर ब्रह्मप्रकाश ने बताया कि संजय कुमार की एनआइटी में गैस एजेंसी है। आरोपित सुमित कुमार उसके पास काम कर चुका है। उसे मालूम था कि संजय कुमार के पास रुपये होते हैं। 7 जुलाई को सुमित ने संजय कुमार को फोन कर ढाई लाख रुपये की रंगदारी मांगी। साथ ही पुलिस को बताने या रंगदारी ना देने पर जान से मारने की धमकी दी। संजय कुमार ने सराय ख्वाजा थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया।

सुमित को इसका पता चला तो उसने मोबाइल बंद कर लिया और फरार हो गया। क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर ने जांच शुरू की तो जिस नंबर से कॉल आई थी, उससे पता चल गया कि रंगदारी सुमित ने मांगी है। आरोपित मोबाइल बंद कर यूपी में छिप गया था, ऐसे में यह मामला पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। क्राइम ब्रांच की एक टीम लगातार सुमित के पीछे लगी हुई थी।

बृहस्पतिवार को आरोपित को पल्ला चौक के पास से दबोच लिया गया। क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर प्रभारी ब्रह्मप्रकाश ने बताया कि आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

युवाओं ने सड़क पर उतरकर खुद हटाया मलबा

NIT-86 विधानसभा की पर्वतीय कॉलोनी वेद रोड पर कई दिनों से पुलिया टूटी हुई थी जिस को लेकर वहाँ के लोग बहुत परेशान थे विधायक नागेन्द्र भड़ाना व पार्षद ललिता यादव वार्ड 5 के ध्यान ना देने पर युवाओ ने खुद सड़को पर उतर कर पहले मलबा हटाया व वहाँ रखा बड़ा पाइप हटाया। ये क़ाम कर युवाओं ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस मौक़े पर स्थानीय निवासी सन्नी, अंकुर कपूर, सुनील, जसवीर सिंह, राजेश, सुरज, सोनू, प्रशांत, विनय धतरवाल, प्रिन्स कम्बोज मुख्य रूप से मोजूद थे।

प्रचंड जनादेश का सम्मान अपने मजबूत फैसलों से कर रहे हैं प्रधानमंत्री

लोकसभा चुनावों में प्रचंड जनादेश हासिल कर केंद्र की सत्ता में वापसी करने वाली मोदी सरकार ने कार्यकाल की शुरुआत ही बड़े राजनीतिक फैसलों के साथ की। इन राजनीतिक फैसलों में मजबूत इच्छाशक्ति भी दिखी और दशकों पुरानी समस्याओं को हल करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता भी झलकी। अपने मजबूत राजनीतिक फैसलों की बदौलत आज प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के ताकतवर और लोकप्रिय नेताओं में शुमार हैं और वैश्विक नेता उनसे सलाह मशविरा करना पसंद करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लालकिले की प्राचीर से इस स्वतंत्रता दिवस पर जो संबोधन दिया उसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि जो काम आपने मुझे दिया मैं वही करने के लिए आया हूं, मेरा अपना कुछ नहीं है। वाकई सरकार कैसे चलायी जाती है, प्रशासन से काम कैसे करवाया जाता है, कैसे किसी बड़ी फैसले से पहले पुख्ता तैयारी की जाती है, यह सब देश ने दशकों बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देखा है।

नरेंद्र मोदी ने दोबारा प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने से पहले सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का मंत्र दिया और संविधान को नमन कर 130 करोड़ देशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूर्ण करने का बीड़ा उठाया। लोकसभा चुनाव परिणामों से एक ओर विपक्ष के महागठबंधनों की कमर टूट चुकी थी तो दूसरी ओर भाजपा आत्मविश्वास से लबरेज नजर आ रही थी। बरसों बाद देश ने देखा था कि कोई पूर्ण बहुमत वाली सरकार सत्ता में दोबारा लौटी है और कोई राजनीतिक पार्टी (भाजपा) कई राज्यों में 50 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल करने में सफल रही है। जाहिर है, प्रधानमंत्री के लिए जनादेश था- आप देश में व्याप्त बुराइयों को समाप्त करिये, जनता आपके साथ है।

मोदी सरकार ने नयी लोकसभा में उन विधायी कार्यों से शुरुआत की जिन्हें वह अपने पिछले कार्यकाल में पूरा नहीं करवा पायी

थी। लोकसभा में मोदी सरकार-2 का जो पहला विधेयक आया वह मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से आजादी दिलाने का था। राज्यसभा में राजग का बहुमत नहीं होने और इस विषय पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानि ह्ष्ठ के भी जदयू जैसे महत्वपूर्ण घटक का साथ नहीं मिलने के बावजूद सरकार ने यह विधेयक पारित करवाया और मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के अभिशाप से निजात दिलायी। सरकार का यह कदम मुस्लिम महिलाओं के बीच प्रधानमंत्री मोदी की छवि को और लोकप्रिय बना गया है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनावों में भी मुस्लिम महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाजपा को वोट दिये। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में भी तीन तलाक को खत्म किये जाने का वादा किया था।

तीन तलाक विधेयक पारित होने से विपक्ष अभी सदमे से पूरी तरह उबरा भी नहीं था कि जम्मू-कश्मीर के विषय में मोदी सरकार ने ऐतिहासिक फैसला कर अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को खत्म करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने का फैसला कर लिया और संसद के दोनों सदनों की इस पर मंजूरी भी हासिल कर ली। मोदी के पिछले कार्यकाल में राज्यसभा में आकर सरकार के विधेयकों का सफर बाधित हो जाता था लेकिन इस बार बहुमत नहीं होने के बावजूद विधेयक धड़ाधड़ पारित करा पाने में मोदी सरकार सफल रही। सरकार का यह फैसला राजनीतिक इच्छाशक्ति का इतना बड़ा उदाहरण है कि पूरी दुनिया में इसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। प्रखर राष्ट्रवाद के रास्ते पर चलने वाली भाजपा की छवि इस फैसले के बाद इतनी मजबूत हुई है कि उसे आगामी विधानसभा चुनावों की भी ज्यादा चिंता नहीं है। भाजपा को लगता है कि देश ने देख लिया है कि दशकों पुरानी समस्या को जड़ से उखाड़ फेंकने और जम्मू-कश्मीर का वास्तव में भारत के साथ विलय कर एक झंडा और एक संविधान का सपना सच कर दिखाने का जो साहस मोदी सरकार ने दिखाया है उसके बाद जनता पूरी तरह मोदी सरकार के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानते हैं कि यह जो प्रचंड बहुमत मिला है वह सिर्फ उन्हीं के नाम पर एनडीए को मिला है इसलिए वह भ्रष्टाचार और आतंकवाद और अपनी पार्टी में भी अशिष्ट और अमर्यादित व्यवहार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर अडिग हैं।

आतंकवाद के मुद्दे पर मोदी सरकार ने जो सख्त दिखाई है वह काबिलेतारीफ है। कानून ऐसे सख्त हो गये हैं कि कोई आतंकी बच नहीं सकता, जांच एजेंसियों को पहले से ज्यादा मजबूत बना दिया गया है, सेना को अत्याधुनिक रक्षा साजो सामान मुहैया कराये जा रहे हैं, संयुक्त राष्ट्र से लेकर दुनिया भर के देश भारत के साथ खड़े दिख रहे हैं, इसके अलावा पाकिस्तान को सरकार पूरी दुनिया में अलग-थलग करने में सफल रही है, आदि कदमों से जनता में यही संदेश जा रहा है कि सरकार सही दिशा में काम कर रही है और देश सुरक्षित हाथों में है।

मोदी सरकार की राजनीतिक मजबूती की बात करें तो लोकसभा में तो उसे प्रचंड बहुमत मिला ही अब राज्यसभा में भी उसकी ताकत में भारी इजाफा हो चुका है। मोदी सरकार-2 बनने के बाद से कई राजनीतिक दलों के राज्यसभा सांसद अपनी अपनी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम चुके हैं और अब भाजपा के टिकट पर पुनर्निर्वाचित होकर भाजपा की संख्या में वृद्धि कर चुके हैं। यही नहीं गोवा में तो लगभग पूरे कांग्रेस विधायक दल का ही भाजपा में विलय हो गया वहां कांग्रेस के 15 में से 10 विधायकों ने भाजपा का दामन थाम लिया। सिक्किम में जहां विधानसभा चुनावों में भाजपा का खाता भी नहीं खुला था वहां विपक्षी विधायकों ने भाजपा का दामन थाम कर उसे मुख्य विपक्षी पार्टी बना दिया। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश में भी अन्य दलों के विधायकों का भाजपा में आने का सिलसिला लगातार चल रहा है। लोकसभा चुनावों के बाद कई राज्यों की राजनीतिक स्थितियों में परिवर्तन आया है उसी के तहत अब कर्नाटक में भाजपा की सरकार है।

यही नहीं भाजपा का हाल ही में जो सदस्यता अभियान चला। उसमें पार्टी के सदस्यों की संख्या में रिकॉर्ड छह करोड़ का इजाफा हुआ है और अब भाजपा के सदस्यों की संख्या 18 करोड़ हो गयी है। दुनिया भर में इतनी बड़ी सदस्य संख्या वाली भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन गयी है जोकि भाजपा और मोदी सरकार की मजबूती का द्योतक है। दूसरी ओर विपक्ष मई में आये लोकसभा चुनाव परिणामों की हार से अभी तक उबर नहीं पाया है। कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी को इस्तीफा देना पड़ा और पार्टी अब तक पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं कर पायी है। समाजवादी पार्टी बिखरी पड़ी है, इंडियन नेशनल लोकदल, टीडीपी, एनसीपी, जेडी-एस जैसे कई क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के नेताओं को अपना भविष्य अधर में नजर आ रहा है।

बढ़ती जा रही हैं बच्चा चोरी की अफवाहें, हावी होता जा रहा है भीड़तंत्र

समाज व सोशल मीडिया के चंद गैर-जिम्मेदाराना बयान वीरों के चलते देश में बच्चा चोर गिरोह के सक्रिय होने की अफवाह से आये दिन बेगुनाह लोगों की जान सांसत में है। कानून व्यवस्था को अपने हाथ में लेकर शान समझने वाली उन्मादी भीड़तंत्र में शामिल भीड़ देश में जगह-जगह लोगों को आये दिन बच्चा चोर बता कर पीट रही है जो कि बहुत ही सोचनीय व चिंताजनक स्थिति है। आज देश के कई राज्यों में बने इस तरह के चिंताजनक हालात से जगह-जगह कानून के पहरेदार पुलिस-प्रशासन की नींद उड़ी हुई है। अफवाहों के चलते कुछ जगह तो हालात ऐसे होते जा रहे हैं कि कानून व्यवस्था के लिए आये दिन मुश्किल खड़ी हो रही है। हालांकि पुलिस-प्रशासन के अफसरों ने बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने वाले व बेगुनाह को पीटने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी शुरू कर दी है। लेकिन फिर भी देश के चंद लोगों के गैरजिम्मेदाराना रवैये के चलते अभी भी इस तरह की घटनाओं पर लगाम नहीं लग पायी है। कुछ माह में ही उत्तर प्रदेश, बिहार व मध्य प्रदेश आदि राज्यों में बच्चा चोरी की अफवाहों के चलते हुई घटनाओं ने राज्य सरकार, पुलिस मुख्यालय से लेकर थाना पुलिस के सभी अधिकारियों तक की नींद उड़ा कर रख दी है। इस बेहद ज्वलंत मसले पर पुलिस के आला अधिकारी भी मानते हैं कि इस तरह की अफवाह वाले मामलों में बच्चा चोरी की घटना हकीकत में तो होती नहीं है, लेकिन अफवाहों के चलते फिर भी इस मसले को लेकर आये दिन हिंसा होती है जोकि स्वस्थ्य व कानून पसंद समाज के हित में ठीक नहीं है।

इस मसले पर अगर हम ध्यान दें तो यह आम-जनमानस से जुड़ा बेहद भावनात्मक मामला है और इसलिए ही अफवाह फैलाने वाले तंत्र ने देश में माहौल खराब करने के उद्देश्य से ही इस मामले पर आये दिन बहुत ही तेजी के साथ अफवाह फैलाने का काम किया है। सबसे बड़ी सोचने वाली बात यह है कि हम सोशल मीडिया के बयान वीर भी बिना कुछ सोचे समझे इस प्रकार के झूठे संदेशों को सोशल मीडिया के माध्यमों वाट्सएप आदि पर आगे फॉरवर्ड व फैसबुक, ट्विटर आदि पर शेयर करके उन अपराधियों का सहयोग कर रहे हैं। एक तरफ देश में बच्चा चोरी की अफवाहों के चलते आये दिन भीड़ उन्मादी होकर लोगों की जान लेने पर उतारू हो रही है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस-प्रशासन ने अफवाह फैलाने वाले व कानून तोड़ने वालों को लोगों को कड़ी चेतावनी देते हुए, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करनी शुरू कर दी है। साथ ही अब पुलिस-प्रशासन सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले लोगों को चिन्हित करके उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही कर रहा है और इस ज्वंलत मसले पर आम लोगों को सोशल मीडिया पर अन्य तरीकों से जागरूक करने जैसे कारगर कदम उठा रहा है।

कुछ प्रदेशों में तो बच्चा चोरी की अफवाह को लेकर इस कदर दहशत का माहौल बन गया है कि छोटे बच्चों के अभिभावक भी अब अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। जिस ढंग से हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश, बिहार व मध्य प्रदेश में बच्चा चोरी करने का शक होते ही लोग उग्र होकर उन्मादी भीडतंत्र में बदल रहे हैं, यह हालात आम शांतिप्रिय जनमानस के साथ-साथ कानून व्यवस्था व उसके रक्षकों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है। इस मसले पर कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि देश में बच्चों के प्रति अपराध, उनकी चोरी या उनकी खरीद-बिक्री या तस्करी में जिस तरह से वृद्धि हुई हैं, उसका फायदा अफवाह फैलाने वाला तंत्र ले रहा है। हालांकि समय-समय पर पुलिस-प्रशासन ने बच्चों के प्रति इस तरह के घिनौने अपराधों को अंजाम देने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करके उनको जेल में पहुंचाने का कार्य किया है। लेकिन फिर भी लोग झूठी अफवाहों पर बिना कुछ सोचे समझे कानून हाथ में लेने के लिए तैयार हैं। क्या केवल बच्चा चोरी की अफवाह सुनकर कानून को हाथ में ले लेना और किसी को भी सजा दे देना कानूनी रूप से उचित है।

कानूनी जानकारों का मानना है कि देश में इस तरह की अफवाह फैलाने की घटनाओं को रोकने के लिए ना केवल पुलिस व उसके साईबर क्राइम सेल को बहुत अधिक मुस्तैदी दिखानी होगी, बल्कि आम जनमानस को भी जागरूक बनाना होगा। तब ही इंसानियत को शर्मसार करने वाली इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती है अन्यथा ऐसी घटनाएं आए दिन सामने आती रहेंगी और निर्दोष लोगों की जानमाल पर खतरा बना रहेगा।

आधे अधूरे मन से काम किया है तो सफलता कहाँ से मिल जायेगी ?

हमारी जिंदगी उतार-चढ़ावों से भरी होती है। और हम सब सोचते हैं कि यदि अवसर मिलता तो एक बढ़िया और नेक काम करते। लेकिन हमारी बढ़िया या नेक काम करने की इच्छा अधूरी ही रहती है क्योंकि अक्सर जब हम जिंदगी के बुरे दौर से गुजरते हैं, तब उससे निकलने और जब अच्छे दौर में होते हैं, तब उस स्थिति को बरकरार रखने में जिन्दगी बिता देते हैं। लेकिन हमें कुछ विलक्षण एवं अनूठा करने के लिये समझौतावादी नहीं होना चाहिए, जैसा कि एन्डी वार्होल ने कहा कि समय के साथ साथ परिस्थितियां बदल जाती हैं, लेकिन वास्तव में उन्हें आपको स्वयं ही बदलना होता है। सच्चाई यही है कि हर इंसान के लिये जिन्दगी हर पल एक नया अवसर होती है।

जिन्दगी तो सभी जीते हैं, लेकिन यहां बात यह मायने नहीं रखती कि आप कितना जीते हैं, बल्कि लोग इसी बात को ध्यान में रखते हैं कि आप किस तरह और कैसे जीते हैं। जीवन में आधा दुख तो इसलिए उठाते फिरते हैं कि हम समझ ही नहीं पाते हैं कि सच में हम क्या हैं? क्या हम वही हैं जो स्वयं को समझते हैं? या हम वो हैं जो लोग समझते हैं। व्यक्ति अपने जीवन को सफल और सार्थक बनाने के लिये समाज से जुड़कर जीता है, इसलिए समाज की आंखों से वह अपने आपको देखता है। साथ ही उसमें यह विवेक बोध भी जागृत रहता है 'मैं भी जो हूं, जैसा हूं' इसका मैं स्वयं जिम्मेदार हूं। उसके अच्छे बुरे चरित्र का बिम्ब समाज के दर्पण में तो प्रतिबिम्बित होता ही है, उसका स्वयं का जीवन भी इसकी प्रस्तुति करता है। राल्फ वाल्डो एमर्सन ने कहा कि पूरा जीवन एक अनुभव है। आप जितने अधिक प्रयोग करते हैं, उतना ही इसे बेहतर बनाते हैं।

जिंदगी का कोई लम्हा मामूली नहीं होता, हर पल वह हमारे लिए कुछ-न-कुछ नया पेश करता रहता है-जब हमारी ऐसी सोच बनती है तभी हम अपने आपसे रूबरू होते। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार के बिना हमारी लक्ष्य की तलाश और तैयारी दोनों अधूरी रह जाती है। स्वयं की शक्ति और ईश्वर की भक्ति भी नाकाम सिद्ध होती है और यही कारण है कि जीने की हर दिशा में हम औरों के मुहताज बनते हैं, औरों का हाथ थामते हैं, उनके पदचिन्ह खोजते हैं।

सच्चाई यही है कि आदर्श की अपेक्षाओं को दबाया जाता रहे, तो धीरे-धीरे आदर्श की उड़ान समाप्त होने लगती है। महान और आदर्श काम करने के लिए अक्ल से ज्यादा दिलेरी की जरूरत होती है और यह दिलेरी लुप्तप्राय होती जा रही है। आज लगभग देश और दुनिया इसी आदर्शहीनता के स्थिति से ही मुखातिब है। इससे उबरने के लिये डैनियल एच. बर्नहम ने कहा कि कोई छोटी-छोटी योजनाएं न बनाएं, उनमें मनुष्य को प्रेरित करने का कोई जादू नहीं समाया होता, बड़ी योजनाएं बनाएं, उच्च आशा रखें और काम करें।

मैंने अपने जीवन में आदर्श एवं नैतिकता की चादर ओढ़कर अपने जीवन को सार्थक करते हुए लोगों को भी देखा है और ऐसे लोगों को भी देखा है जिनका मानना है कि आदर्श एवं नैतिकता से कोरी झोपड़ियां बनायी जा सकती हैं, महल खड़े नहीं हो सकते हैं। फ्रांसिस थामसन ने कहा कि अपने चरित्र में सुधार करने का प्रयास करते हुए, इस बात को समझें कि क्या काम आपके बूते का है और क्या आपके बूते से बाहर है।' इसका सीधा-सा अर्थ तो यही हुआ कि आज ज्यों-ज्यों विकास के नये कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं, त्यों-त्यों आदर्श धूल-धूसरित हो रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं है, हर दौर में अच्छे, ईमानदार और आदर्शवादी व्यक्ति मौजूद होते हैं। अपने जीवन में जब भी हम ऐसे गुणों का निर्वाह करते हैं, तो इससे न केवल हमारे चेहरे पर संतुष्टि का भाव झलकने लगता है, बल्कि हमारे व्यक्तित्व में भी उसकी गरिमा दिखाई पड़ती है। लेकिन इसके लिये पहल करनी जरूरी है। जैसा कि हायमैन रिकओवर ने कहा कि अच्छे विचारों को स्वतः ही नहीं अपनाया जाता है। उन्हें पराक्रमयुक्त धैर्य के साथ व्यवहार में लाया जाना चाहिए।

प्रश्न उठता है कि अच्छाई, ईमानदारी और आदर्श आदि उदात्त गुणों के निर्वाह से हमारे चेहरे पर सकारात्मक भाव क्यों और कैसे प्रकट हो जाते हैं? क्या इन भावों का हमारे स्वास्थ्य और विचारों से भी कोई संबंध है? अपने बीते हुए दिनों और घटनाओं पर जरा नजर डालिए। आपने भी अपने जीवन में कई बार इन अच्छाइयों का परिचय दिया होगा। उस समय आपकी मनोदशा कैसी थी और उस मनोदशा का आपके स्वास्थ्य और विचारों पर क्या प्रभाव पड़ा था? निश्चित ही आपका उत्तर सकारात्मक होगा क्योंकि आप या तो इस बात पर सिर धुन सकते हैं कि गुलाब में कांटे हैं या इस पर खुश हो सकते हैं कि कांटों से भी गुलाब खिलते हैं। जब भी हम ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं, किसी की मदद करते हैं अथवा कोई अच्छा कार्य करते हैं, तो उससे अपने भीतर हम अपार संतोष महसूस करते हैं। तब वही भाव हमारे चेहरे और विचारों पर भी झलकने लगता है। इससे हमारे पूरे व्यक्तित्व में एक सकारात्मक परिवर्तन होता है। संतुष्टि और आनंद की अवस्था में व्यक्ति तनावमुक्त रहता है और इसलिए स्वस्थ रहता है। यह अवस्था मनुष्य के अच्छे स्वास्थ्य के साथ-साथ एक सफल एवं सार्थक जीवन की परिचायक है। मार्टिन लुथर किंग, जूनियर ने कहा कि हमारे जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते हैं।

आतंक की दहशत में वर्षों गुजारने वाले कश्मीरियों को भा रहा है अमन चैन का माहौल

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाये जाने और राज्य के हालात को नियंत्रण में रखने के लिए कुछ पाबंदियां लगाये जाने को अब एक महीना पूरा हो गया है। देश में एक झंडा और एक संविधान होने पर हर भारतवासी गर्व महसूस कर रहा है। यकीनन कश्मीर में इस एक महीने में हमारे सुरक्षा बलों ने जो धैर्य, साहस और कड़ा परिश्रम करके दिखाया है उसकी तारीफ की जानी चाहिए। जो लोग अनुच्छेद 370 या 35-ए को हटाने पर आग लग जाने जैसी बड़ी-बड़ी चेतावनियां दिया करते थे उन्हें देखना चाहिए कि अनुच्छेद 370 और 35-ए हटने के बावजूद जम्मू-कश्मीर में हालात नियंत्रण में हैं, कुछ पाबंदियों के चलते आम लोगों को परेशानी जरूरी हुई है लेकिन इस एक महीने के दौरान कोई असैन्य व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है और कानून व्यवस्था की स्थिति में पहले से सुधार हुआ है। जो कश्मीर अनेकों प्रयासों के बावजूद आतंकवाद से मुक्त नहीं हो पा रहा था वहां आतंकवादियों की कमर लगातार टूटती जा रही है। कश्मीर के इस एक महीने की घटनाओं पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि आतंकवादी मारे नहीं अब जिंदा पकड़े जा रहे हैं और यह उनको मारने से ज्यादा बड़ी सफलता है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने भी कहा है कि आतंकवाद विरोधी कानूनों के सख्त होने और पूरे जम्मू-कश्मीर में लागू होने का भी असर है कि आतंकवादी अब आत्मसर्पण कर रहे हैं।

लोगों को हो रही दिक्कतों की बात करें तो ज्यादातर लोग संचार सेवाओं के बाधित होने की वजह से परेशान हैं। वाकई आज के इस युग में फोन जरा-सी देर बंद हो जाये तो जैसे सबकुछ बंद हो जाता है और कश्मीर के अधिकतर भागों में संचार सेवाएं एक महीने से

बाधित हैं। हालांकि प्रशासन की ओर से इस बात के इंतजाम किये गये कि लोग अपनों का हालचाल जान सकें। यहाँ एक सवाल उठाना जरूरी हो जाता है कि जो लोग टेलीफोन लाइनें बंद हो जाने से परेशानी की बात कर रहे हैं उन्हें जरा यह भी देखना चाहिए कि हमारे सुरक्षा बल महीनों तक बिना फोन के कश्मीर के दुर्गम इलाकों में तैनात रहते हैं। ना तो उनके घर वाले यह जान पाते हैं कि उनका लाल कैसा है ना ही वह जान पाते हैं कि उनके परिजनों का हाल कैसा है। एक महीने संचार सेवाएं बाधित होने से कुछ लोगों को परेशानी जरूरत हुई लेकिन इस सुविधा के बाधित होने का ही नतीजा है कि इससे कश्मीर में अफवाहों पर लगाम लगी है और शरारती तत्वों की ओर से किया जाने वाला दुष्प्रचार बंद हुआ है। इस सबकी वजह से घाटी की स्थिति में बहुत सुधार हुआ है।

अगस्त से पहले की घटनाओं यानि यदि इसी वर्ष की जुलाई अंत तक की घटनाओं पर नजर डाल लें तो कश्मीर में पुलवामा जैसा गंभीर हमला हुआ और उसके अलावा भी कई भीषण आतंकवादी हमले हुए जिसमें हमारे कई सुरक्षा बलों को अपनी शहादत देनी पड़ी। लेकिन जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म किये जाने के बाद से हालात में बदलाव आया है और सीमा पर पाकिस्तान की ओर से किये जाने वाले संघर्षविराम उल्लंघन का मुंहतोड़ जवाब देने के दौरान हमारे कुछ जवान जरूर शहीद हुए लेकिन आतंकी घटनाओं में हमारे जवानों की मौत का सिलसिला थमा है। यही नहीं अलगाववादियों की नापाक हरकतों से भी कश्मीर को काफी आजादी मिल गयी है।

जो लोग कश्मीर को लेकर सरकार की आलोचना करते हैं उन्हें यह भी देखना चाहिए कि सरकार ने इस बात के पुख्ता प्रबंध किये थे कि हर कश्मीरी खुशी के साथ ईद का त्योहार मना सके, यही नहीं इस बात के पूरे प्रबंध किये गये थे कि पूर्ण सुरक्षा का अहसास करते हुए लोग 15 अगस्त को आजादी का जश्न मना सकें। जो लोग मोदी सरकार को आलोचना की नजर से देख रहे हैं उन्हें जरा यह भी देखना चाहिए कि इससे पहले कौन-सी ऐसी सरकार थी जिसने कश्मीर की इतनी चिंता की कि हर गांव से 5 लोगों को सरकारी नौकरी दिये जाने की बात कही हो, सरपंचों का दो लाख रुपये का बीमा कराये जाने की बात कही हो, स्थानीय पंचायतों को ज्यादा अधिकार और फंड सीधा मुहैया कराया हो। जम्मू-कश्मीर के स्कूलों, अस्पतालों में पहले से ज्यादा सुरक्षा और सुविधाएं हैं, फ्लाइटों का संचालन हो रहा है और बैंक एटीएम सही तरह से काम कर रहे हैं। सिर्फ सरकार ही नहीं हमारे देश का उच्चतम न्यायालय भी जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर पूरी नजर रखे हुए है। जो भी लोग अदालत के पास जा रहे हैं उनकी पूरी बात सुनी जा रही है। कोई अपने परिजन से मिलना चाहता है तो उसे मिलने दिया जा रहा है, कोई इलाज के लिए दिल्ली आना चाहता है तो उसे दिल्ली लाया जा रहा है। घाटी में हालांकि अलगाववादी और आतंकवादी पूरी तरह पस्त पड़ गये हैं, ऐसा भी नहीं है क्योंकि कई जगह ऐसे संदिग्ध पोस्टर नजर आये जो 'असैन्य कर्फ्यू' की बात करते हैं और लोगों से 'सविनय अवज्ञा' करने को कहते है। गत सप्ताह अपनी दुकान खोलने वाले एक व्यक्ति की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी जिसके बाद लोगों में डर भी है।

अल्का लांबा ने छोड़ा आप का दामन, कांग्रेस में हुई घर वापसी

नई दिल्ली। चांदनी चौक से विधायक अल्का लांबा ने सोनिया गांधी की मौजूदगी में शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी जॉइन कर ली। उन्होंने आज ही ट्विटर पर आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया से मुलाकात के बाद आप छोड़ने का फैसला किया था।

उन्होंने इससे पहले शाम में एक ट्वीट कर जानकारी दी थी कि वह 10 जनपथ पहुंचकर सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करेंगी।

उधर, ट्विटर पर इस्तीफा देते हुए अल्का ने केजरीवाल पर अपनी जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा, केजरीवाल जी, आपके प्रवक्ता ने आपकी इच्छा से कहा था कि मेरा इस्तीफा ट्विटर पर भी स्वीकार कर लिया जाएगा। तो लीजिए मैं आम आदमी पार्टी से जो कि अब खास आदमी पार्टी बन चुकी है, उससे इस्तीफा देती हूं। इससे पहले अकला ने लिखा, आप को अलविदा कहने और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का समय आ गया है। मेरे लिए पिछले छह साल का सफर बड़े सबक सिखाने वाला रहा। सभी का शुक्रिया।

लांबा पिछले कुछ समय से आप नेतृत्व खासकर पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कार्यशैली से नाराज चल रही थीं। केजरीवाल पर पार्टी में मनमानी करने का आरोप लगते हुए वह इसका सार्वजनिक तौर पर कई बार मुखर विरोध कर चुकी है। लांबा और आम आदमी पार्टी के बीच पिछले कुछ समय से टकराव की स्थिति जो शुरू हुई, वह किसी न किसी रूप में चलती रही है।

कांग्रेस से रहा है पुराना नाता

2014 में आप जॉइन करने से पहले वह कई सालों तक कांग्रेस की सदस्य रही हैं। वह कांग्रेस की स्टूडेंट विंग एनएसयूआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी हैं और इसके टिकट पर डूसू के प्रेजिडट का चुनाव भी जीता था। वह दिल्ली कांग्रेस कमिटी की जनरल सेक्रटरी और ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी सचिव रह चुकी हैं।

केजरीवाल ने प्रदूषण घटना के लिए दिल्लीवासियों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सर्दियों में नगर के प्रदूषण को कम करने के लिए शुक्रवार को लोगों से सुझाव मांगे। सर्दियों में पंजाब और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों में पराली जलाई जाती है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लोग अपने सुझाव cmycleanair@gmail.com कॉम पर भेज सकते हैं।

उन्होंने कहा कि 20 अक्टूबर से 20 नवंबर तक के मुख्य सीजन के दौरान पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं बड़ी संख्या में होती हैं। इससे राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होती है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में, आप सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से कुल प्रदूषण स्तर में 25 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा, मैं बेहद खुश हूं कि सीपीसीबी डेटा के मुताबिक, पिछले तीन सालों में दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर 25 प्रतिशत तक घट गया है। दिल्ली एकमात्र शहर है जहां वायु प्रदूषण बढ़ने की जगह घट रहा है। दिल्ली सरकार, केंद्र और दिल्ली की जनता ने मिलकर इस सफलता को अर्जित किया है।

प्लास्टिक की बोतल नहीं चुल्लू में पिएं पानी, दातून करें: मीनाक्षी लेखी

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद मीनाक्षी लेखी ने लोगों को प्राचीन समय में जाने की सलाह दी है जब लोग चुल्लू में पानी पीते थे और दातून ही करते थे। उन्होंने कहा है कि ऐसा करने से प्लास्टिक के इस्तेमाल पर लगाम लगेगी। इनर्जी, ट्रांजिशन, सब्सिडीज ऐंड एयर क्वालिटी मैनेजमेंट विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में लेखी ने कहा कि हम दूसरों की नकल करने में बहुत ऊर्जा और संसाधनों को वेस्ट कर देते हैं।

उन्होंने कहा, हमें गिलास और बोतल की भी क्या जरूरत है। हम बचपन में स्कूल में चुल्लू से पानी पीते थे जो कि बहुत हाइजेनिक भी है क्योंकि हाथों को हम ठीक से साफ करते हैं। इससे एक फायदा यह भी है कि गिलास या बोतल को साफ करने में पानी नहीं बर्बाद होता है। सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह बैन लगाने पर पूछे गए सवाल के जवाब में लेखी ने यह बात कही।

उन्होंने, जब सब्जीवाला आएगा तो हम केन बास्केट का इस्तेमाल करेंगे और लोगों को टूथ ब्रश की जगह दातून का इस्तेमाल करना चाहिए जिससे कि दोबारा ब्रश न बनाने पड़ें। बीजेपी सांसद ने कहा कि पुराने कपड़ों का इस्तेमाल बैग और सैनिटरी पैड बनाने में करना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमारी दादी, आपकी दादी सबने कपड़ों का इस्तेमाल किया जिन्हें एक इस्तेमाल के बाद फेंका जा सकता है। इससे हमें सैनिटरी पैड में भी प्लास्टिक और पालिमर से निजात मिलेगी। लोग इन सैनिटरी पैड की बात नहीं करते जो बहुत जगह फैले हुए हैं। मैं तो कहती हूं इनपर 18 की जगह 28 पर्सेंट टैक्स लगा देना चाहिए। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी कई वर्षों से सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगाने की बात कर रहे हैं। संभावना है कि गांधी जयंती पर वह कुछ वस्तुओं पर रोक का ऐलान करें। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से कहा था कि प्लास्टिक का इस्तेमाल करने से बचें। उन्होंने उद्यमियों से यह भी अपील की थी कि प्लास्टिक को रीसाइकल करने के नए तरीके निकालें।

केजरीवाल को सिर्फ खुद से प्यार है, दिल्ली से नहीं: तिवारी

नई दिल्ली। आप द्वारा शुरू किए गए आई लव केजरीवाल अभियान पर तंज कसते हुए दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा है कि इस तरह का अभियान चलाना दिल्ली की राजनीति में केजरीवाल की गिरती लोकप्रियता का सबूत है। तिवारी ने कहा कि केजरीवाल को खुद यह कहना पड़ रहा है कि आई लव केजरीवाल, जिससे यह साबित होता है कि दिल्ली में केजरीवाल से प्यार करने वाला अब कोई नहीं बचा है। इसलिए केजरीवाल को खुद ही अपना यह स्लोगन लॉन्च करना पड़ गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि केजरीवाल को सिर्फ खुद से प्यार है, दिल्ली से प्यार नहीं, जो एक बहुत बड़ी विडंबना है।

तिवारी ने कहा कि अगर केजरीवाल दिल्ली से प्यार करते, तो आज कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे दिल्ली के कर्मचारियों पर रोजी-रोटी का खतरा पैदा नहीं होता। दिल्ली प्रदूषण में नंबर वन नहीं बनती। अनधिकृत कॉलोनियों की दिल्ली की जो दुर्दशा की है, उसकी सूची बहुत लंबी है। उन्होंने दिल्ली को जो पीड़ा दी है, उसका हिसाब चुकता करने का समय अब आ चुका है। तिवारी ने कहा कि एमसीडी और लोकसभा चुनावों के परिणामों ने आम आदमी पार्टी को अंदर तक झकझोर कर रख दिया है। केजरीवाल को समझ नहीं आ रहा है कि वह ऐसा क्या करें, जिससे सत्ता में बने रहें। जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता शून्य हो चुकी है, इसलिए अब राजनीतिक मर्यादाओं से बहुत नीचे जाकर सत्ता बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आनेवाले दिनों में हम दिल्ली बचाओ परिवर्तन यात्रा के तहत सभी विधानसभाओं में जाकर केजरीवाल को आईना दिखाएंगे।

ऐसी दुर्दशा नहीं होती। दिल्ली के गरीबों का 5 लाख रुपये तक फ्री इलाज आयुष्मान भारत योजना से हो पाता। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को घर मिल पाते और लोगों को सफर करने के लिए पर्याप्त संख्या में बसें मिल पातीं।

तिवारी के मुताबिक, केजरीवाल ने पिछले 54 महीनों में

सैलरी देने को पैसे नहीं तो बंद करें निजी स्कूल, सरकार संभाले प्रबंधन: दिल्ली हाईकोर्ट

फरीदाबाद की आवाज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद दिल्ली के उन सभी प्राइवेट स्कूलों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं अपने टीचर्स और स्टाफ को 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार सैलरी और अन्य भत्ते नहीं दे रहे।

हाईकोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार से तुरंत ऐसे सभी प्राइवेट स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथ लेने को कहा है जो टीचर्स और स्टाफ को 7वें वेतन आयोग की सिफारिश के मुताबिक सैलरी और भत्ते नहीं दे रहे हैं।

जस्टिस सुरेश कैत ने सरकार के शिक्षा निदेशक को ऐसे स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथ लेने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने का निर्देश दिया है। प्राइवेट स्कूलों द्वारा टीचर्स और स्टाफ को 7वें वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार सैलरी और भत्ते नहीं दिए जाने पर हाईकोर्ट ने गहरी नाराजगी जताई। कोर्ट कहा है कि यदि टीचर्स को समुचित वेतन देने के लिए पैसा नहीं है तो स्कूल प्रबंधन अपने स्कूल को बंद कर दें ताकि इसका संचालन सरकार करे। हाईकोर्ट ने कहा कि सरकार के पैसा भी है और सरकार स्कूलों की स्थिति भी बेहतर हो रही है।

अब ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले पुलिसवालों पर भी गिरेगी गाज, भरना होगा दोगुना जुर्माना

नई दिल्ली। मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019 देशभर में 01 सितंबर से लागू हो गया है। इसके बाद से ट्रैफिक नियमों की अनदेखी लोगों को काफी भारी पड़ रही है। इसी के तहत दिल्ली और एनसीआर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के धड़ल्ले से चालान भी काटे जा रहे हैं। मगर अब नए नियम में पुलिसवालों पर भी गाज गिरेगी।

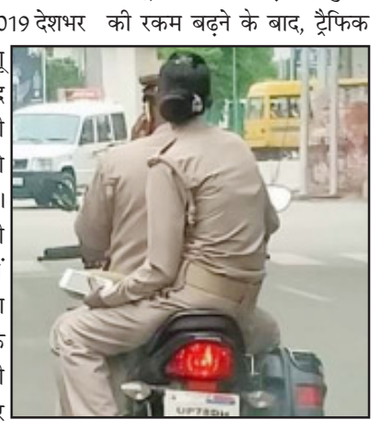

राजधानी दिल्ली में अगर पुलिसकर्मियों ने ट्रैफिक नियम तोड़े तो उनसे चालान की दोगुनी राशि ली जाएगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त आयुक्त (ऑपरेशन) ने यह निर्देश जारी किए हैं।

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर जुर्माने की रकम बढ़ने के बाद, ट्रैफिक पुलिस के ट्विटर हैंडल पर ट्रैफिक नियम तोड़ते पुलिसवालों की फोटो धड़ल्ले से डाली जा रही हैं। इसके साथ ही लोग सवाल कर रहे हैं कि इनके चालान कौन काटेगा।

ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह नियम मोटर वाहन के सेक्शन 210 में आता है कि कोई भी सरकारी अधिकारी अगर खुद उन ट्रैफिक नियमों के पालन करवाने के लिए अधिकृत है और खुद नियम तोड़ता है तो उससे जुर्माने की रकम दोगुनी ली जाएगी। इस बारे में मार्च 2013, अगस्त 2014 में भी निर्देश जारी किए गए थे। ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त आयुक्त मीनू चौधरी द्वारा सभी जिला पुलिस अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

भारी पड़ा ट्रैफिक नियमों को तोड़ना, ट्रैक्टर का 59 हजार का चालान कटा

फरीदाबाद की आवाज

गुरुग्राम। नए मोटर वाहन अधिनियम एक्ट के तहत ट्रैफिक नियमों की अवेहलना करना लोगों को काफी भारी पड़ रहा है। ऐसे में नियमों की अवेहलना करने वाले चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस भी काफी सख्ती से बरत रही है।

मंगलवार दोपहर न्यू कॉलोनी में ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक ट्रैक्टर-ट्राली का चालान काटा गया। पुलिस ने दस नियमों का उल्लघंन करने का दोषी मानते हुए 59 हजार जुर्माना लगाया गया और ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त कर लिया गया।

ट्रैफिक पुलिस के क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि मंगलवार शाम को ट्रैक्टर-ट्राली तेज रफ्तार में आ रहा थी। उसके द्वारा पहले लाइट जंप की गई और रुकवाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसके द्वारा नहीं रोका गया। उसको रोककर चालक से दस्तावेज मांगे गए लेकिन कुछ नहीं मिला। चालान काट कर जब्त किया गया और 59 हजार जुर्माने की पर्ची सौंप दी गई।

तेज आवाज पर बुलेट चालक फंसा

वहीं दूसरी ओर, तेज आवाज करने पर बुधवार शाम को फरीदाबाद में ट्रैफिक पुलिस ने हाईवे के बाटा मोड पर एक बुलेट मोटरसाइकिल को रोक लिया। कागजात न होने पर ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट चला रहे युवक का 35 हजार रुपये का चालान कर दिया। चालान के लिए रुपये न होने पर ट्रैफिक पुलिस ने मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया।

इसके अलावा भी शहर में अलग- अलग स्थानों पर 23 हजार रुपये तक के चालान हुए हैं। बुधवार शाम करीब 4:42 पर मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक बल्लभगढ़ जा रहे थे। मोटरसाइकिल पटाखे की आवाज कर रही थी।

अच्छी शिक्षा देना सरकारों का काम: सीएम

फरीदाबाद की आवाज

नई दिल्ली। एनडीएमसी के सम्मेलन केंद्र में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की किताब 'शिक्षा: दिल्ली के स्कूलों में मेरे कुछ अभिनव प्रयोग' का पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व उपमुख्यमंत्री ने विमोचन किया। इस अवसर पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकारों का काम बच्चों को अच्छी शिक्षा देने की व्यवस्था करना है। अगर इस जिम्मेदारी में वह असफल होती है, तो ऐसी सरकारों को लानत है। शिक्षा जिम्मेदारी है। इसलिए उनकी सरकार बनते ही बजट का 25 फीसद शिक्षा की व्यवस्था और गुणवत्ता सुधार के लिए आवंटित किया।

वहीं पूर्व राष्ट्रपति व भारत रत्न प्रणब मुखर्जी ने इस अवसर पर उपस्थित अध्यापकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनसे आह्वान किया कि वे छात्रों को अधिक से अधिक सवाल पूछने के लिए प्रेरित करें और उन्हें अपने जवाबों से संतुष्ट भी करें। ताकि उनमें जानने की जिज्ञासा बढ़े।

वहीं उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था के साथ परीक्षा परिणाम में चमत्कृत प्रदर्शन से देश-विदेश में इसकी सराहना हो रही है। लोग जानना चाह रहे हैं कि यह कैसे हो गया? इसलिए यह किताब लिखने की सोची। इसको दो भागों में लिखा है। एक हिस्सा वह है जिसमें स्कूल की दशा सुधारने के प्रयास की जानकारी है, दूसरा शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के बारे में है। इस मौके पर दिल्ली के मुख्य सचिव विजय देव व सरकार के शिक्षा सलाहकार शैलेंद्र शर्मा समेत कई विधायकों व आम आदमी पार्टी के नेताओं की मौजूदगी रही।

10 हजार की बाइक और 24 हजार का चालान

फरीदाबाद की आवाज

गुरुग्राम। गुरुग्राम में मंगलवार को बाइक सवार युवक पर यातायात नियम तोड़ने पर 24 हजार रुपये जुर्माना लगा दिया गया। युवक के अनुसार, वर्तमान में

बाइक की कीमत आठ से दस हजार रुपये ही है। पुलिस ने बाइक भी जब्त कर ली है। ट्रैफिक पुलिस के क्षेत्रीय अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि राजीव चौक के पास कोर्ट मोड़ पर बिना हेलमेट पहने बाइक सवार दो युवकों को रोका गया। उनके पास बाइक के कागज नहीं थे। ऐसे में छह यातायात नियमों के उल्लघंन में 24 हजार का जुर्माना लगाया गया। बाइक जैकबपुरा का अमित चला रहा था। यह उसके पिता जयनारायण के नाम पर है। एक अन्य मामले में दिल्ली की गीता कॉलोनी निवासी दिनेश मदान की स्कूटी का भी गुरुग्राम में नियमों के उल्लंघन पर 23 हजार रुपये का चालान काटा गया। उनकी स्कूटी चार साल पुरानी है जिसकी कीमत 15 हजार रुपये है।

चालान राशि में राहत दे सकती है दिल्ली सरकार: दिल्ली में वाहनों का चालान बढ़े हुए जुर्माने के साथ लागू है। लेकिन दिल्ली सरकार ने कम्पाउंडेबल (समझौता) चालान पर अधिसूचना जारी नहीं की है। सूत्रों के अनुसार, सरकार कुछ श्रेणी में चालान राशि कम करना चाहती है। इस पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने अफसरों के साथ बैठक की। जल्द ही इसे अधिसूचित किया जाएगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, कुछ श्रेणी में राज्य के पास अधिकार है कि वह चालान राशि कम कर सकते हैं।

घरेलू इंडस्ट्रीज चल सकेंगी रेजिडेंशल एरिया में!

नई दिल्ली। डीडीए ने मास्टर प्लान-2021 में एक और बदलाव की तैयारियां कर ली हैं। डीडीए के पब्लिक नोटिस के अनुसार अब जो घरेलू इंडस्ट्री प्रदूषण नहीं फैलाने वाली श्रेणी में आ रही है वो रेजिडेंशल एरिया में चल सकेंगी। इस तरह के नए घरेलू उद्योग भी लगाए जा सकेंगे।

इस नियम में बदलाव के लिए डीडीए ने लोगों से सुझाव व आपत्तियां मांगी हैं। इसके लिए 45 दिनों का समय दिया गया है। डीडीए ने यह पब्लिक नोटिस 3 सितंबर को जारी किया है। डीडीए के मुताबिक पहले नियमों के मुताबिक यदि किसी घरेलू इंडस्ट्रियल यूनिट में 9 से अधिक कर्मचारी हैं और 11 किलोवॉट की बिजली खपत है तो उसे इसके लिए लेबर इंडस्ट्रियल डिपार्टमेंट और डीपीसीसी से मंजूरी लेनी होती थी। यह दोनों एजेंसियां यह देखती थी कि क्या इस इंडस्ट्रियल यूनिट से किसी तरह का प्रदूषण तो नहीं होगा। इसके बाद क्लीयरेंस मिलने के बाद ही घरेलू इंडस्ट्री रेजिडेंशियल एरिया में चल सकती थीं।

लेकिन अब बदले नियमों के तहत यदि घरेलू इंडस्ट्रियल यूनिट में अधिकतम 9 लोग काम कर रहे हैं और वहां 11 किलोवॉट बिजली की खपत है तो यह इंडस्ट्री नो पॉल्यूटिंग इंडस्ट्रियल यूनिट में शामिल है तो उसे रेजिडेंशियल एरिया में चलने की मंजूरी हैं। इस बदलाव के बाद रेजिडेंशियल एरिया में चल रहे होटल, क्लिनिक, वकीलों के ऑफिस, प्रॉपर्टी डीलर, जिम आदि सेगमेंट को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन आरडब्ल्यूए के अनुसार इस बदलाव के बाद रेजिडेंशियल एरिया का भी बाजारीकरण शुरू हो जाएगा और नॉन पॉल्यूटिंग इंडस्ट्री के नाम पर भीड़भाड़ अधिक बढ़ जाएगी। इसके लिए आरडब्ल्यूए, इंडस्ट्रिस्ट, आम लोग, एक्टिविस्ट आदि अपने सुझाव व आपत्तियां ऑफिस ऑफ डिप्टी डायरेक्टर, मास्टर प्लान सेक्शन, 6वां फ्लोर, विकास मिनार, आईपी इस्टेट, नई दिल्ली-110002 पर भेज सकते हैं।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' में दिल्ली का भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

फरीदाबाद की आवाज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' में देश के 5 राज्यों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इसमें दिल्ली भी शामिल है। आज केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से इन राज्यों को सम्मानित किया जा रहा है। दिल्ली सरकार की ओर से समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने यह सम्मान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि यह सम्मान 2014 से अब तक किए कार्यों के आधार पर तय किया गया है। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के हितों में ढेरों कार्य किए हैं। फूड, दवाइयां, हफ्ते में फोलिक एसिड, गर्भवती महिलाओं का खास खयाल किया जा रहा है। इसके साथ ही अल्ट्रासाउंड सेंटरों

पर जागरूकता बोर्ड लगाए गए हैं। इसमें अपील की गई है कि भ्रूण के लिंग की जांच नहीं कराएं। गर्भपात कानूनी अपराध है। सरकार करने के मकसद से वर्कशॉप करते हैं। दिल्ली में लड़कों के मुकाबले लड़कियों का अनुपात पहले की अपेक्षा बेहतर हुआ है।

दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण की परियोजना के घाटे की भरपाई दिल्ली सरकार करेगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण की 103.94 किलोमीटर लंबी परियोजना के संचालन घाटे की भरपाई दिल्ली सरकार करेगी क्योंकि परिवहन का

चाहिए कोमल और खिली-खिली त्वचा, मिल्क पाउडर का करें इस्तेमाल

दूध को स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। अमूमन महिलाएं इससे स्किन को क्लीन करती हैं, लेकिन अगर आप मिल्क पाउडर की मदद से बने फेसपैक को स्किन पर इस्तेमाल करती हैं तो इससे आपको कई तरह से लाभ होगा।

मिल्क पाउडर में विटामिन ए, सी, बी6 और लैक्टिक एसिड पाया जाता है जो न सिर्फ त्वचा

की कोशिकाओं को रिपेयर करने में मदद करता है, बल्कि इससे आपकी स्किन जवां-जवां भी नजर आती है। इतना ही नहीं, लैक्टिक एसिड होने के कारण यह आपकी स्किन को लाइटन व स्मूद बनाता है। अगर आप ब्लैकहेड्स व व्हाइटहेड्स से निजात पाना चाहती हैं तो भी मिल्क पाउडर से बने पैक को इस्तेमाल कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं मिल्क पाउडर से बनने वाले फेस पैक के बारे में-

स्किन करें लाइटन

अगर आप अपनी स्किन को लाइटन करना चाहती हैं तो दो चम्मच ताजा संतरे का रस लेकर उसमें एक चम्मच ओटमील पाउडर व एक चम्मच मिल्क पाउडर मिक्स करें। अब पहले स्किन को क्लीन करें और फिर इस पेस्ट को चेहरे पर अप्लाई करें। करीबन 20 मिनट तक इस पैक को लगे रहने दें। अंत में ठंडे पानी से स्किन को साफ करें। इस पैक के लगातार इस्तेमाल से कुछ ही दिनों में आपको स्किन में गजब का परिवर्तन नजर आएगा।

हाइपरपिग्मेंटेशन का इलाज

इसके लिए दो चम्मच मिल्क पाउडर लेकर उसमें दो चम्मच दही व आधा नींबू का रस डालकर एक थिक पेस्ट बना लें।

अब फेस को क्लीन करें और गर्म पानी में एक तौलिए को भिगोकर निचोड़े व अपने चेहरे पर रखें। फेस को स्टीम देने से आपके चेहरे के पोर्स खुल जाएंगे। अब आप तैयार पेस्ट को चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। आप एक दिन छोड़कर इस उपचार को दोहराएं। कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आएगा।

पिंपल्स से छुटकारा

अगर आप पिंपल्स से छुटकारा पाना चाहती हैं तो उसमें भी मिल्क पाउडर आपकी मदद कर सकता है। बस आप एक चम्मच हल्दी लेकर उसमें दो चम्मच मिल्क पाउडर व एक चम्मच शहद मिक्स करें। अब इस मास्क को चेहरे पर लगाकर सूखने दें। अंत में हल्के गुनगुने पानी से स्किन को साफ करें। आप इस मिल्क पाउडर पैक को सप्ताह में दो बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऑयली स्किन

अगर आपकी ऑयली स्किन है और इसलिए आप परेशान रहती हैं तेा आप इस पैक का इस्तेमाल करके चेहरे के अतिरिक्त ऑयल को कंटोल कर सकती हैं। इसके लिए आप एक टेबलस्पून मुल्तानी मिट्टी लेकर उसमें एक टेबलस्पून मिल्क पाउडर डालें और फिर गुलाब जल की मदद से स्मूद पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर सूखने दें और हल्के गुनगुने पानी से चेहरा साफ करें। आप सप्ताह में एक बार इस पैक को लगा सकती हैं।

आत्मा को शुद्ध करने का महापर्व है पर्युषण

हमारे देश में पर्वो एवं त्यौहारों की एक समृद्ध परम्परा रही है, यहां मनाये जाने वाले पर्व-त्योहार के पीछे कोई न कोई गौरवशाली इतिहास-संस्कृति-विचारधारा का संबंध जुड़ा होता है। जैन संस्कृति में जितने भी पर्व व त्योहार मनाये जाते हैं लगभग सभी में आत्म-साधना, तप एवं जीवनशुद्धि का विशेष महत्व है। जैनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पर्व है पयुर्षण पर्व। पर्युषण महापर्व मात्र जैनों का पर्व नहीं है, यह एक सार्वभौम पर्व है। पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें इंसान अपने मन को मांजने का उपक्रम करता है, आत्मा की उपासना करता है, ताकि जीवन के पापों एवं गलतियों को सुधारा जा सके, जीवन को पवित्र, शांतिमय, अहिंसक एवं सौहार्दपूर्ण बनाया जा सके।

पर्युषण महापर्व के दौरान जैन कहलाने वाला हर व्यक्ति कोशिश करता है कि अपने जीवन को इतना मांज ले कि वर्ष भर की जो भी ज्ञात-अज्ञात त्रुटियां हुई हैं, आत्मा पर किसी तरह का मैल चढ़ा है, कोई भूल हुई या पाप हुआ है वह सब धुल जाए। संस्कारों को सुदृढ़ बनाने और अपसंस्कारों को तिलांजलि देने का यह अपूर्व अवसर है। इस पर्व के आठ दिन इतने महत्वपूर्ण हैं कि इनमें व्यक्ति स्वयं के द्वारा स्वयं को देखने का प्रयत्न करता है। ये आठ दिन नैतिकता और चरित्र की चौकसी का काम करते हैं और इंसान को प्रेरित करते हैं कि वे भौतिक और सांसारिक जीवन जीते हुए भी आध्यात्मिकता को जीवन का हिस्सा बनाएं।

आत्मोत्थान तथा आत्मा को उत्कर्ष की ओर ले जाने वाले इस महापर्व की आयोजना प्रतिवर्ष चातुर्मास के दौरान भाद्रव मास के

शुक्ल पक्ष में की जाती है। इस महापर्व में निरंतर धर्माराधना करने का प्रावधान है। इन दिनों जैन श्वेतांबर मतावलंबी पर्युषण पर्व के रूप में आठ दिनों तक ध्यान, स्वाध्याय, जप, तप, सामायिक, उपवास, क्षमा आदि विविध प्रयोगों द्वारा आत्म-मंथन करते हैं। दिगंबर मतावलंबी दशलक्षण पर्व के रूप में दस दिनों तक इस उत्सव की आराधना करते हैं। क्षमा, मुक्ति, आर्जव, मार्दव, लाघव, सत्य, संयम, तप, त्याग तथा ब्रह्मचर्य इन दस धर्मों के द्वारा अंतर्मुखी बनने का प्रयास करते हैं।

पर्युषण की आराधना के इन दिनों में व्यक्ति अपने आपको शोधन एवं आत्मचिंतन के द्वारा वर्षभर के क्रिया-कलापों का प्रतिक्रमण एवं प्रतिलेखन करता है। विगत वर्ष में हुई भूलों को भूल कर चित्तशुद्धि का उपाय करता है। सभी व्यक्ति एक दूसरे से क्षमा का आदान-प्रदान करते हैं, जिससे मनोमालिन्य दूर होता है और सहजता, सरलता, कोमलता, सहिष्णुता के भाव विकसित होते हैं। संयम, सादगी, सहिष्णुता, अहिंसा, हृदय की पवित्रता से हर व्यक्ति अपने को जुड़ा हुआ पाता है और यही वे दिन हैं जब व्यक्ति दुकान, कार्यालय, घर और मंदिर में एक-सा हो जाता है।

पर्युषण पर्व प्रतिक्रमण का प्रयोग है। पीछे मुड़कर स्वयं को देखने का ईमानदार प्रयत्न है। वर्तमान की आंख से अतीत और भविष्य को देखते हुए कल क्या थे और कल क्या होना है इसका विवेकी निर्णय लेकर एक नये सफर की शुरुआत की जाती है। पर्युषण आत्मा में रमण का पर्व है, आत्मशोधन व आत्मोत्थान का पर्व है। यह पर्व अहंकार और ममकार का विसर्जन करने का पर्व है। यह पर्व अहिंसा की आराधना का पर्व है। आज पूरे विश्व को सबसे ज्यादा जरूरत है अहिंसा की, मैत्री की। यह पर्व अहिंसा और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई हैं और सभी इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए पर्युषण पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक जीवन शैली का प्रयोग है।

आज भौतिकता की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने विशेषत: युवा पीढ़ी पर्युषण पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे सामायिक, मौन, जप, ध्यान, स्वाध्याय, आहार संयम, इन्द्रिय निग्रह, जीवदया आदि के माध्यम से आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हों और जन-जन के सम्मुख एक आदर्श प्रस्तुत करें। इस पर्व में आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है। इसका जो केन्द्रीय तत्त्व है, वह है- आत्मा। आत्मा के निरामय, ज्योतिर्मय स्वरूप को प्रकट करने में यह पर्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अध्यात्म यानि आत्मा की सन्निकटता। यह पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है।

भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरों का भूषण है''- महान् व्यक्ति ही क्षमा ले और दे सकते हैं। पर्युषण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का भी पर्व है। इस दिन सभी अपने मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं।

पर्युषण महापर्व का समापन मैत्री दिवस के रूप में आयोजित होता है, जिसे क्षमापना दिवस भी कहा जाता है। इस तरह से पर्युषण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह इंसानों को एक-दूसरे के निकट लाने का अवसर है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है- 'आत्मौपम्येन सर्वत्र:, समे पश्यति योर्जुन''- श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा- हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा- ''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ'' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है।

मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, अंतर्राष्ट्रीय नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक शैली का समर्थन आदि तत्त्व पर्युषण महापर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। मनुष्य धार्मिक कहलाए या नहीं, आत्म-परमात्मा में विश्वास करे या नहीं, पूर्वजन्म और पुनर्जन्म को माने या नहीं, अपनी किसी भी समस्या के समाधान में जहाँ तक संभव हो, अहिंसा का सहारा ले, अपने कर्म एवं वाणी से किसी का भी दिल न दुखाये- यही पयुर्षण की साधना का हार्द है। हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। हिंसा से समाधान चाहने वालों ने समस्या को अधिक उलझाया है। इस तथ्य को सामने रख कर जैन समाज ही नहीं आम-जन भी अहिंसा की शक्ति के प्रति आस्थावान बनें और गहरी आस्था के साथ उसका प्रयोग भी करें।

रामेश्वरम धाम में अध्यात्म के साथ-साथ पर्यटन के लिए बहुत कुछ

भारत के दक्षिण में तमिलनाडु राज्य में बंगाल की खाड़ी एवं अरब महासागर के संगम पर स्थित रामेश्वरम धाम हाल ही में जाने का अवसर मिला। यह देश के चार प्रमुख धामों में गिना जाता है और प्रसिद्ध 12 धार्मिक ज्योतिर्लिंगों में एक धार्मिक नगर है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रामायण कालीन इस स्थल पर सीता ने रेत के शिव लिंग की स्थापना की थी और भगवान राम ने पूजन किया था।

बताया जाता है कि जब राम रावण का अंत कर लौटे तो कहा गया कि उनपर ब्राह्मण हत्या का पाप लगा है और इसे मुक्त होना पड़ेगा। तब उन्होंने समुंद्र के किनारे शिवलिंग की स्थापना का मन बनाया और हनुमान को काशी जा कर शिव को लाने की आज्ञा दी। हनुमान जी को आने में कुछ देर हो गई तो सीता ने रेत का शिवलिंग बना कर स्थापना कर दी। बाद में जब हनुमान जी आये तो उनके द्वारा लाए गये शिवलिंग को भी पहले वाले शिवलिंग के पास ही स्थापित कर दिया। यही दोनों शिवलिंग आज भी मुख्य रामनाथस्वामी मंदिर में स्थापित हैं और सदियों से इनकी पूजा-दर्शन कर पुण्य कमाते आ रहे हैं।

यहां दर्शन करने से पहले समुद्र में प्रात: स्नान किया। यहां सुन्दर अग्नि स्नान घाट बनाये गए हैं। घाट पर पानी ज्यादा गहरा नहीं होने से लोग काफी दूर तक चले जाते हैं। यहां सूर्योदय का दृश्य अत्यंत लुभावना होता है। यहां श्रद्धालु तर्पण एवं पूजा आदि करते देखे जा सकते हैं। इसके उपरांत मंदिर परिसर में बने 22 पवित्र जलकुंडों का स्नान किया। मान्यता है कि इन कुओं का अस्तित्व भगवान राम के अमोध बाणों से सामने आया। उन्होंने अनेक तीर्थो का जल मंगा कर इनमें छोड़ा था। इसलिए इन्हें तीर्थ कहा जाता है। इनके नाम शंक, चक्र, गंगा, यमुना आदि धार्मिक नामों पर रखे गए हैं। किसी में बहुत ठंडा, किसी में सामान्य और किसी में हल्का गर्म पानी होता है। मान्यता है कि इन कुंड तीर्थों में अलग अलग धातुएं मिली हैं, जिसके नहाने से शरीर के रोग दूर हो जाते हैं। बाइसवें कुंड में सभी इक्कीस कुंडों का मिला जुला पानी आता है। वहीं पर कपड़े बदलने के कमरों में कपड़े बदल कर दर्शनों की लाइन में लग गए। अमूमन दो से तीन घंटे में दर्शन हो जाते हैं।

मंदिर का गर्भगृह काफी अंदर है और हल्की धुंधली सी रोशनी में

बहुत ध्यान से देखना होता है। दर्शनों के लिए लाइन में लगने ने पर मंदिर का धार्मिक माहौल दर्शनार्णार्थियों को बांधे रखता है। यहां शिव की पूजा और अभिषेक गंगोत्री से लाये गंगाजल से की जाती है। दर्शनार्थी भी वहां शीशियों में गंगोत्री से लाये गए गंगा जल से अभिषेक करते हैं। यहां स्वयं जल चढ़ाने की परंपरा नहीं है और पुजारी के माध्यम से ही अभिषेक किया जाता है। प्रात: काल तड़के मणि दर्शन होते हैं। यह दर्शन कम समय के लिए होते हैं अत: सुबह 5 बजे ही चले जाना उपयुक्त रहता है।

रामनाथस्वामी मंदिर के परिसर में जिस प्रकार शिव की दो मूर्तियां हैं वैसे ही देवी पार्वती की भी दो अलग-अलग मूर्तियां स्थापित की गई हैं। देवी पार्वती की एक मूर्ति पर्वतवर्धिनी एवं दूसरी विशालाक्षी कही जाती हैं। विशालाक्षी मंदिर के गर्भगृह के निकट ही विभीषण द्वारा स्थापित 9 ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं। एक विशाल नंदी मंदिर भी है। नंदी मंडप 22 फीट लंबा, 12 फीट लंबा एवं 17 फीट ऊँचा है। मंदिर के पूर्वी द्वार के बाहर विशाल हनुमान जी की मूर्ति अलग मंदिर में स्थापित है। मंदिर में सेतुमाधव का कहा जाने वाला भगवान विष्णु का मंदिर भी प्रमुख है।

रामनाथस्वामी मंदिर परिसर काफी विशाल है जो करीब 6 हैक्टेयर में बना है। यहां अनेक मंदिरों की उपस्थिति इसे धार्मिक स्वरूप प्रदान करती है। मंदिर के चारों और ऊंची दीवार एवं हर तरफ भव्य कलात्मक द्वार एवं गोपुरम बने हैं। परकोटे की चौड़ाई 6 मीटर एवं ऊंचाई 9 मीटर है। मंदिर भारतीय निर्माण कला और शिल्प का बेहतरीन नमूना है। प्रवेश द्वार करीब चालीस फीट ऊंचा है। मंदिर के गलियारों में और अन्य मंदिरों में सैंकड़ों विशाल खंभे हैं जो देखने मे एक से नज़र आते हैं पर नज़दीक से पता चलता हैं हरएक की कारीगरी अलग अलग है। मंदिर का गलियारा विश्व का सबसे लंबा है जो उत्तर-दक्षिण में 197 मीटर एवं पूरब-पश्चिम में 133 मीटर है। गलियारा अत्यंत कारीगरिपूर्ण है। जब धूप इस गलियारे में आती है तो इसकी पीली छंटा देखते ही बनती है।

रामेश्वरम नगर का स्वरूप पूरी तरह से धार्मिक एवं आध्यात्मिक है। समुद्र की उपस्थिति इसे प्राकृतिक सुंदरता से जोड़ती है। प्रमुख बाजार मंदिर के चारों ओर ही है। अधिकतर दुकानों पर समुद्री उत्तपाद सीप, शंख, मोती, मनके और इनसे बनी वस्तुएं, धार्मिक समान बेचे जाते हैं। यहां सब तरह का अच्छा भोजन आसानी से उपलब्ध है। धर्मशालाएं काफी अच्छी, साफ-सुथरी एवं बजट में हैं। यहीं पर शुद्ध सात्विक भोजन वाजिब दामों पर उपलब्ध है। कमरे का किराया 700 रुपये तक में दो बेडरूम का लगता है। हर बजट के होटल यहां मिलते हैं।

रामेश्वरम के समीप ही 3 किमी पर तंगचिमडम गांव में विल्लीरनी तीर्थ कुंड दर्शनीय है। यहां समुद्र के खारे पानी के बीच मीठा जल निकलता है। बताया जाता है कि सीता को प्यास लगने पर राम ने धनुष से इस कुंड को खोदा था। इसके समीप ही एकांत राम का एक जीर्ण मंदिर भी है। यहां राम, सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की कई मूर्तियां हैं। रामनवमी पर्व पर ही यहां कुछ चहल पहल रहती है बाकी दिनों में लोग कम ही आते हैं। रामनाथस्वामी मंदिर से करीब 8 किमी दूरी पर कोदण्ड स्वामी मंदिर दर्शनीय है। यहां पर राम, सीता, लक्ष्मण एवं विभीषण की मूर्तियां दर्शनीय हैं। बताया जाता है राम ने यहां विभीषण को शरण दी थी और राम ने रावण का अंत करने के बाद विभीषण को लंका का राजा घोषित किया था। इसके आगे धनुष कोटि का विशाल समुंद्र तो बस एक टक देखते ही रहो। इस से पहले है भुतहा धनुष कोटि जो कभी समृद्ध नगर था पर 1964 के समुंद्री तूफान में पूरी तरह नष्ट हो गया। रामेश्वरम धाम एवं आसपास की धार्मिक यात्रा सभी के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहेगा।

सूजी की मदद से झटपट तैयार करें स्वादिष्ट मेंदू वड़े

शाम के स्नैक्स के समय कुछ बेहद लाइट और हेल्दी खाने का मन करता है। इतना ही नहीं, इस समय हर गृहिणी की यह इच्छा होती है कि वह कुछ ऐसा बनाए, जो टेस्टी होने के साथ-साथ झटपट तैयार हो जाए। अगर आप भी कुछ लाइट, टेस्टी व झटपट बनने वाली रेसिपी ढूंढ रही हैं तो आप सूजी के मेंदू वड़े बना सकती हैं। खाने में लाजवाब इन मेंदू वड़ों को बनाने में आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी। तो चलिए जानते हैं इसकी रेसिपी-

सामग्री-
एक कप सूजी
एक कप दही
ताजा धनिया
करीपत्ता
प्याज
आधा चम्मच चीनी
एक चम्मच जीरा
नमक स्वादानुसार
एक टेबलस्पून ताजा नारियल
दो चुटकी खाने का सोडा
ऑयल फ्राई करने के लिए

विधि- सूजी का मेंदू वड़ा बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में सूजी, धनिया, करीपत्ता, जीरा, प्याज, चीनी, नारियल, नमक, खाने का सोडा व दही डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इस पेस्ट को दस मिनट के लिए छोड़ दें।

दस मिनट बाद एक बार फिर से इसे हाथों की मदद से मिक्स करें। अगर यह बहुत अधिक टाइट हो तो आप इसे पानी की मदद से बैटर तैयार कर सकती हैं। अब एक कटोरी के उपर मलमल का कपड़ा लपेटकर बांध दें। इसके बाद दूसरे हाथ पर थोड़ा सा बैटर लेटर उसे कटोरी के उपर रखकर हल्का सा दबाएं। इसके बाद आप इसके बीच में होल करें।

अब आप कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें। ध्यान रखें कि तेल मीडियम आंच पर होना चाहिए। अब आप वड़े को हाथ में लेकर उसे कड़ाही में डालें। आपका वड़ा शुरूआत में थोड़ा चिपकता है, लेकिन जब यह हल्का सा सिक जाएगा तब यह चिपकेगा नहीं। जब यह गोल्डन हो जाए तो आप इसे बाहर निकाल सकती हैं। आपको यही प्रोसेस बार-बार दोहराना है। अगर आप क्रिस्पी मेंदू वड़े पसंद करते हैं तो आप गर्मागर्म वड़े सर्व करें। वहीं अगर आपको नरम मेंदू वड़े पसंद हैं तो आप इसे बनाने के बाद दस मिनट का इंतजार करें और उसके बाद सर्व करें। आप मेंदू वड़ों को सांभर व नारियल की चटनी के साथ सर्व करें। इससे मेंदू वड़ों का स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

सोनिया के अध्यक्ष बनते ही आजाद ने सैलजा के बहाने हुड्डा को दिलाया सियासी जीवनदान

नई दिल्ली। हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी गुलाम नबी आजाद ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कुमारी सैलजा के बहाने हरियाणा कांग्रेस में अहमियत दिलाई। यह हुड्डा के सियासी करियर को जीवनदान से कम नहीं है। आजाद ने डॉ. अशोक तंवर को हटाने के लिए सैलजा का नाम प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए आगे का हुड्डा को भी अहमियत दिलाने की राह बनाई।

निवर्तमान अध्यक्ष डॉ.अशोक तंवर को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के रहते हटाना आसान नहीं था। राहुल ने तंवर को हटाने के लिए अपनी टीम के उन वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी साफ मना कर दिया था, जो भूपेंद्र हुड्डा को प्रदेश कांग्रेस की कमान दिलाना चाहते थे। असल में राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद जब सोनिया गांधी पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष बनीं तो हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव गुलाम नबी आजाद ने हुड्डा को पार्टी में अहमियत देने की नई पटकथा तैयार की।

आजाद का साथ हुड्डा के पैरोकार रहे राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने दिया। खुद सोनिया गांधी से लेकर प्रियंका वाड्रा भी पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को ही हरियाणा कांग्रेस की कमान सौंपने के लिए तैयार थे मगर राहुल गांधी की हुड्डा से नाराजगी इस कदर थी कि उन्होंने भी सही वक्त आने का इंतजार किया। आजाद द्वारा हुड्डा के पक्ष में किस तरह लॉबिंग की गई, इसकी चर्चा दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में गरम है।

सूत्र बताते हैं कि एक तरफ गुलाम नबी आजाद ने हुड्डा को विधायक दल का नेता और चुनाव प्रबंधन कमेटी के चेयरमैन से लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा को दिए जाने की पैरवी की तो दूसरी तरफ प्रियंका वाड्रा ने अपने भाई राहुल से तंवर को हटवाने पर मुहर लगवाई।

हुड्डा को शायद ही पार्टी में पहले वाला रुतबा मिले: सूत्र तो यह भी कह रहे हैं कि हुड्डा को अब शायद ही पार्टी में वह रुतबा कभी मिले जो उन्होंने 2005 से 2014 तक देखा है। गुलाम नबी आजाद भी अपने मिशन में तब कामयाब हो सके जब उन्होंने सोनिया गांधी की नजदीकी कुमारी सैलजा का नाम प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए आगे बढ़ाया।

सैलजा और हुड्डा ने आजाद के साथ की सोनिया से मुलाकात: हरियाणा कांग्रेस की नवनियुक्त अध्यक्ष कुमारी सैलजा और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपनी नई जिम्मेदारी मिलने के बाद पहली बार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ प्रदेश प्रभारी एवं गुलाम नबी आजाद भी थे। कुमारी सैलजा ने सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद बताया कि यह शिष्टाचार मुलाकात थी। इसमें सोनिया गांधी ने उन्हें और हुड्डा साहब को प्रदेश के सभी नेताओं को साथ लेकर चलने और संगठन मजबूत करने का संदेश दिया है।

सोनिया से मुलाकात के बाद नरम पड़े अशोक तंवर: हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद डॉ.अशोक तंवर और उनके समर्थकों के तेवर काफी तीखे रहे। तंवर समर्थकों ने नई दिल्ली में पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव गुलाम नबी आजाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ये समर्थक तंवर के सामने ही आजाद के बारे में टिप्पणियां भी करते रहे। हालांकि बाद में तंवर ने आजाद के खिलाफ नारेबाजी करने वाले कार्यकर्ताओं को शांत किया। इसके बावजूद तंवर के समर्थक गुलाम नबी आजाद पर व्यक्तिगत आरोप भी लगाते रहे। इस दौरान खुद तंवर ने चुप्पी साधे रखी। शाम को पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलने के बाद तंवर के तेवर कुछ नरम पड़े। तंवर ने साफ कहा कि वे पार्टी को समर्पित रहेंगे। पार्टी जो जिम्मेदारी देगी, उसी पर अमल करेंगे।

तंवर ने सैलजा और हुड्डा की जोड़ी को दिया सरकार बनाने का लक्ष्य: कांग्रेस के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अशोक तंवर ने नवनियुक्त अध्यक्ष कुमारी सैलजा और विधायक दल के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा को बड़ा राजनीतिक लक्ष्य दिया। तंवर का कहना है कि लोकसभा चुनाव में पिछले चुनाव के मुकाबले कांग्रेस का वोट छह फीसद बढ़ा है। इसलिए अब नई टीम के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव में पार्टी का वोट 10 फीसद तक बढ़ना चाहिए। इसके बाद हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बन जाएगी।

प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद तंवर अपने निराश समर्थकों के साथ दिन भर सोनिया गांधी से मुलाकात का इंतजार करते रहे। सोनिया से मुलाकात के बाद तंवर ने कहा कि वे अपनी भावनाएं अनुशासन में रहकर व्यक्त करते रहेंगे। अपनी भावनाएं कभी नहीं छुपाएंगे।

मनोहर लाल ने कसा विपक्ष पर तंज

कहा- जंग के मैदान में घोड़े और सारथी बदलने से युद्ध नहीं जीते जाते

फरीदाबाद की आवाज

सिरसा। जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विपक्ष पर तीखे हमले किए और कहा कि आज जैसी हालत विपक्ष की है, उसे सभी देख रहे हैं। बिना किसी पार्टी का नाम लिए उन्होंने कहा कि जंग के मैदान में घोड़े व सारथी बदलने से युद्ध नहीं जीते जाते। ऐसे लोग जनता का भला नहीं करते। पूर्व की सरकारों में तो अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता था हमने ऐसे लोगों को सबक सिखाने का काम किया है।

यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री का काफिला अनेक जगहों पर रुका। हालांकि कई जगहों पर उनके रुकने कार्यक्रम नहीं था, लेकिन स्वागत में काफी लोगों के इकट्ठा होने से मुख्यमंत्री ने उन्हें संबोधित किया और हर जगह पांच साल में किए गए विकास पर फिर से आशीर्वाद मांगा। सिरसा के डिंग मंडी व जोधकां में मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं थ्हारा पूरा ध्यान राखांगा आशीर्वाद बनाए राखियो। उनके आशीर्वाद के कारण विपक्षी नेताओं के पैरों तले से जमीन खिसक गई है। मुख्यमंत्री बोले कि

इतना बोलते ही लोगों ने जयकारे लगाने शुरू कर दिए। मुख्यमंत्री ने भी गुलाब के फूलों की वर्षा कर आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रदेश में बिना भेदभाव के विकास कार्य किए हैं। यहीं कारण है उनकी यात्रा को भारी जन समर्थन मिल रहा है। इसी जनसमर्थन और हमारा यहां से कोई विधायक नहीं बना लेकिन हमने भेदभाव फिर भी नहीं किया। पांच साल लगातार जिले का विकास करवाया। इसी का लेखा-जोखा देने आए हैं और साथ ही पांच साल के लिए आशीर्वाद मांग रहे हैं। सरकार का कामकाज अच्छे लगे तो इस बार कमल खिला देना।

अभय और दुष्यंत चौटाला की एकजुटता में छिपे हैं महागठबंधन के भी समीकरण

नई दिल्ली। यदि चौटाला परिवार में फिर एकजुटता होती है और अभय चौटाला व दुष्यंत चौटाला एक साथ आते हैं तो हरियाणा की राजनीति में बड़े बदलाव होंगे। चौटाला परिवार की एकजुटता में हरियाणा में महागठबंधन के समीकरण भी छिपे हुए हैं। परिवार को एकजुट करने की खाप पंचायत प्रतिनिधियों की पहल पर सकारात्मक रुख दिखाकर इनेलो नेता अभय चौटाला ने बड़ा दांव खेला है। उन्होंने गेंद बड़े भाई अजय व भतीजे दुष्यंत चौटाला के पाले में डाल दी है। पूरे मामले में अजय चौटाला का रुख भी सकारात्मक बताया जा रहा है।

सबसे खास बात है कि दोनों भाइयों में अब तक रही तल्खी के भी कम होने संकेत मिले हैं। अभय चौटाला ने कहा है कि बड़े भाई अजय सिंह चौटाला जो फैसला करेंगे वह उन्हें मंजूर होगा। बताया जाता है कि दोनों भाइयों में संवाद मां स्नेहलता चौटाला के निधन के बाद उनकी अंतिम क्रिया के दौरान कायम हुआ। श्रद्धांजलि कार्यक्रम और अन्य क्रिया के दौरान दोनों की तल्खी में कमी आई।

इन सबके बीच माना जा रहा है कि खाप पंचायत प्रतिनिधियों की यह पहल कामयाब हुई तो हरियाणा की राजनीति में विपक्ष के महागठबंधन के नए समीकरण भी बन सकते हैं। अभय के सामने पंचायत का फरमान लेकर पहुंचे दलाल खाप के रमेश दलाल ने इस ओर इशारा भी किया। उन्होंने कहा कि पहले पंचायत प्रतिनिधि चौटाला परिवार को एकजुट करेंगे, इसके बाद खाप पंचायत हरियाणा में भाजपा को रोकने के लिए विपक्ष का महागठबंधन तैयार करने में भी भूमिका अदा करेगी। दलाल ने माना कि चौटाला परिवार एकजुट हो जाता है तो फिर भाजपा के सामने इनेलो,जजपा-बसपा सहित भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली पार्टी का एक महागठबंधन बन जाएगा।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा की परेशानी से भी वाकिफ हैं पंचायत प्रतिनिधि: किसान नेता रमेश दलाल का कहना है कि देवीलाल परिवार ने किसानों के हितों में काफी कुछ कार्य किया है। इसलिए किसान चाहते हैं कि देवीलाल परिवार का दखल राजनीति में बना रहे। चौटाला परिवार की एकजुटता के प्रस्ताव की जरूरत संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि पहले किसान के साथ एक भी घटना होती थी तो हरियाणा में सरकार बदल जाती थी मगर अब मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने समाज को बांट दिया है।

उन्होंने कहा कि किसान प्रदेश में जगह-जगह धरने पर बैठे हैं मगर सरकार सुन नहीं रही है। किसान वर्ग को अलग-थलग रखने की साजिश रची जा रही है। इसीलिए 36 बिरादरी की पंचायत ने यह बीड़ा उठाया है। दलाल कहते हैं कि पंचायत प्रतिनिधि पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की राजनीतिक परेशानी से भी वाकिफ है मगर अभी पंचायत का ध्येय चौटाला परिवार को एकजुट करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने SYL नहर पर केंद्र को चार माह का समय दिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सतलुज यमुना संपर्क नहर (एसवाइएल नहर) के निर्माण के मामले में केंद्र सरकार को हरियाणा व पंजाब के बीच सुलह कराने के लिए चार माह का समय दिया। मंगलवार को इस मामले पर सुनवाई के दौरान यह सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया। एसवाइएल नहर पर पंजाब एवं हरियाणा के बीच लंबे समय से विवाद है। पंजाब अपने यहां पानी नहीं होने की बात कह रहा है और इस नहर का विरोध कर रहा है।

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई। इस दौरार अटार्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, एमआर शाह और बीआर गवई की खंडपीठ से आग्रह किया कि केंद्र सरकार दोनों राज्यों की सरकारों के बीच सुलह का प्रयास कर रही है। इसलिए केंद्र सरकार को इसके लिए तीन माह का समय दिया जाए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को चार माह का समय दे दिया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस समय अवधि में दोनों राज्यों के बीच सुलह करा कर इस विवाद को समाप्त कराने को कहा।

बता दें, सोमवार को नई दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से इस मामले में मुलाकात की थी। इससे पहले दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों की केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ दो दौर की बातचीत हुई थी, लेकिन वह बेनतीजा रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को अपने निर्णय में केंद्र सहित पंजाब व हरियाणा की सरकारों से मिलकर इस मामले को सुलझाने का आदेश दिया था। माना जा रहा है कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सुलहनामे के लिए समय मांगा है।

सेल टैक्स विभाग के अधिकारियों पर रिश्वत मांगने का लगा आरोप

फरीदाबाद की आवाज

करनाल। CM मनोहर लाल खट्टर के विधानसभा क्षेत्र करनाल में गाड़ियों को रोकने और छोड़ने के बदले रिश्वत लेने का मामला सामने आया है। करनाल कराधान विभाग के अधिकारियों पर व्यापारियों ने आरोप लगाया है कि सेल्स टैक्स विभाग बेवजह उनकी गाड़ियां जब्त कर रह है। गाड़ियों के पकडे जाने से नाराज व्यापारियों ने करनाल में आयकर विभाग के कार्यालय के सामने जमकर प्रदर्शन किया। साथ ही उन्होंने पूर्व में सेल्स टैक्स अधिकारीयों की रिश्वत की मांग करते हुए ऑडियो रिकार्डिंग भी सार्वजनिक कर दी।

व्यापारियों द्वारा ऐसे दस्तावेज भी उपलब्ध कराये गए हैं जिनमे जुर्माने से बचने के लिए अधिकरी जुर्माने की जगह कुछ पैसे लेकर मामले को खत्म करने के लिए कहते हैं।

व्यापारियों का कहना है कि उनके पास अधिकारियों के खिलाफ ऐसे सबूत हैं कि अगर सरकार मामले की जांच कराए तो बड़े खुलासे हो सकते हैं। व्यापारियों ने बताया कि अधिकारियों की संपत्ति की ईडी अगर जांच करे तो सैल्स टैक्स विभाग में फैले भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो सकता है।

STF को मिली बड़ी कामयाबी, 2 लाख के इनामी गैंगस्टर को किया गिरफ्तार

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में STF की टीम ने 2 लाख रुपये के इनामी गैंगस्टर सचिन उर्फ भांजा को गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर सचिन बसौद्दी गैंग का शार्प शूटर है उसके खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश, लूट और फिरौती मांगने के कई मामले दर्ज हैं. गैंगस्टर सचिन ने हरियाणा, दिल्ली और पंजाब में कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। एसपी जश्नदीप रंधावा ने जानकारी देते हुए बताया कि सचिन उर्फ भांजा ने 3 राज्यों की पुलिस के लिए सरदर्द बना हुआ था, पुलिस को सूचना मिली थी कि गैंगस्टर सचिन बहादुरगढ़-झज्जर रोड के एमपी पूल के नीचे छिपा है और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देन की फिराक में है। इसके बाद इंस्पेक्टर संदीप के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, पुलिस की टीम ने घेराबंदी की और गैंगस्टर सचिन को गिरफ्तार कर लिया।

हरियाणा प्रदेश नेता विकास चौधरी की हत्या में नया खुलासा, सामने आया हेड कांस्टेबल का नाम

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विकास चौधरी की हत्या के बाद से तकरीबन हर सप्ताह नए खुलासे हो रहे हैं। इस कड़ी में हरियाणा कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विकास चौधरी हत्याकांड में ढाई महीने बाद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। 27 जून को हरियाणा कांग्रेस नेता की हत्या में एक हेड कांस्टेबल का नाम सामने आया है।आरोपित हवलदार राजू को बर्खास्त कर दिया गया है। आरोपी हवलदार कुख्यात गैंगस्टर कौशल को सूचना पहुंचाने के बदले उससे पैसे लेता था। कुछ दिन पहले कौशल की मां से 3 लाख रुपये लिए थे। आरोपित को पुलिस में 2 दिन की रिमांड पर लिया है।

इस पुलिसकर्मी पर आरोप लगा है कि यह गैंगस्टर कौशल की मदद कर रहा था। इतना ही नहीं, इसी पुलिसकर्मी ने ही कौशल को विकास चौधरी का नंबर उपलब्ध कराया था। एसटीएफ ने आरोपित हेड कोंस्टबल को गिरफ़्तार कर लिया है। इसके अलावा विकास चौधरी के एक पीएसओ का नाम भी सामने आया है।

एसटीएफ में तैनात था हेड कांस्टेबल: यह भी पता चला है कि आरोपित हेड कांस्टेबल स्पेशल टास्क फोर्स में तैनात था। कुछ दिन पहले ही उसकी तैनाती फरीदाबाद पुलिस में हुई है।

यहां पर बता दें कि 27 जून की सुबह 9 बजे फरीदाबाद सेक्टर-9 में हमलावरों ने विकास चौधरी को 8 से 10 गोलियां मारी थी। विकास को सर्वोदय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

27 जून की सुबह मारी गई थी गोली

विकास चौधरी हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता थे। विकास कुछ साल पहले ही इनेलो छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे और उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर के गुट का बताया जाता था। विकास के इनेलो छोड़ने के पीछे फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से टिकट न मिलना वजह बताई जा रही थी। ऐसे में राजनीतिक हलकों में यह भी माना जा रहा था कि इस बार विकास फरीदाबाद सीट से चुनाव लड़ सकते थे। यह अलग बात है कि आखिकरकार टिकट अवतार सिंह भड़ाना को मिला।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने किया 11 करोड़ की लागत से बनी सड़क का उद्घाटन

फरीदाबाद की आवाज

गुडगांव। हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री राव नरबीर सिंह ने ग्यारह करोड़ की लागत से बने धनकोट चौक धनकोट बाईपास चंदू तक की सड़क का उद्घाटन किया इस दौरान राव नरवीर सिंह ने अठारह करोड़ की लागत से बने रेवाड़ी पटोदी रोड पर पहाड़ी आरओबी का भी उद्घाटन किया।

इस मौके उन्होंने कहा कि बाईपास बनने से जनता को काफी सुविधाएं मिलेंगी और जाम की स्थिति दूर होगी इससे पहले आने जाने वालों को बहुत दिक्कत होती थी जाम की स्थिति से जूझना पड़ता था अब आम जनता जाम में नहीं फंसेगी इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को इलेक्शन कमेटी का चेयरमैन व विपक्ष का नेता बनाए जाने पर राव नरवीर सिंह ने कहा कि अब किसी को भी जिम्मेवारी मिले उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कोई भी लड़ता रहे। जन आशीर्वाद यात्रा के तहत मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जनता से सारी वोट ले लिए है वही सब पंचायतें अभय और अजय को एकजुट करने पर भी राव नरबीर ने कहा कि अब तो वोट सारी भाजपा में आ गए है कोई एक हो और कोई अलग हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

आग की भेंट चढ़ी केमिकल फैक्टरी, लाखों की मशीनरी व तैयार माल स्वाहा

फरीदाबाद की आवाज

झज्जर। बहादुरगढ़ में एक केमिकल फैक्टरी आग की भेंट चढ़ गई। इस घटना में लाखों रुपयेकी मशीनें और तैयार माल जलकर राख हो गया है। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाडियां मौके पर पहुंची, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि बहादुरगढ़ के साथ-साथ दिल्ली, झज्जर और रोहतक से भी फायर ब्रिगेड की गाडियों को आग पर काबू पाने के लिए बुलाया गया।

मामला बहादुरगढ़ के एचएसआईआईडीसी के सेक्टर 16 का है। यहां फैक्टरी नंबर 44 में चल रही अनेड़ा इंडस्ट्रीज में शाम के समय अचानक आग लग गई। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। फैक्टरी के अंदर केमिकल के ड्रम होने के कारण आग पर काबू पाने में ज्यादा मशक्कत करनी पड़ रही है। दरअसल केमिकल से भरे ड्रम भी आग की चपेट में आ गए। आग इतनी भयानक थी कि फैक्टरी के अंदर रखी सभी मशीनें और तैयार माल जलकर राख हो गया। साथ ही आग लगने की वजह से फैक्टरी के भवन को भी भारी नुकसान हुआ। रविंद्र फायर ऑफिसर ने कहा कि आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। कर्मचारी आग को बुझाने में लगे हुए हैं।

सुझाव स्वीकारते हैं बच्चन: प्रिया पाटिल

केबीसी का 11वां सीज़न चल रहा है। इस शो को इसके होस्ट अमिताभ बच्चन के लिये ज्यादा जाना जाता है। केबीसी में उनका सवाल पूछने का अंदाज़ ही नहीं स्टाइल भी आकर्षित करता है। जिस तरह से वह खुद को कैरी करते हैं, वह दर्शकों को खूब भाता है। एक खास अंदाज़ में तैयार होकर बिग बी सबके सामने आते हैं। उन्हें खास लुक देती हैं सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट प्रिया।

एक बातचीत में, एबी की स्टाइलिस्ट प्रिया पाटिल, भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित स्टार के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करती हैं। अमिताभ की स्टाइलिस्ट प्रिया से बातचीत के कुछ अंश..

अमिताभ बच्चन को केबीसी के लिए स्टाइल करने का अनुभव कैसा है ?

मैं सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के 'कौन बनेगा करोड़पति' के साथ पिछले 7 वर्षों से जुड़ी हुई हूं, लेकिन पिछले साल ही मैंने उन्हें व्यक्तिगत रूप से स्टाइल करना शुरू किया था। मुझे उनके साथ काम करने में बहुत खुशी महसूस हो रही है क्योंकि यह बॉलीवुड के सबसे बड़े और सम्मानित सितारों में से एक के लिए काम करने का सम्मान है। जब उन्हें स्टाइल करने की बात आती है तो बच्चन खुले तौर पर सुझाव लेते हैं और कई अवसरों पर अपने सुझाव जोड़ते भी हैं। मैं उनके लिए डिजाइन का एक स्टोरी बोर्ड बनाकर इस प्रक्रिया को रोमांचक बनाती हूं।

इस सीज़न में उन्हें यह अलग अंदाज देने के लिये किस तरह की मेहनत की है ?

वह लुक जिसे वे खूबसूरती से कैरी करते हैं, वह उनका स्टाइलिश क्लासिक लुक है और यह एक ऐसा स्टाइल है, जिसे वह व्यक्तिगत रूप से भी पसंद करते हैं। इस सीज़न में जो थ्री-पीस सूट वह कैरी कर रहे हैं, वह पिछले सीज़न के नेवी ब्लू और ब्लैक जैसे गहरे और औपचारिक रंगों के साथ बना हुआ है। इस बार एक खास चीज़ पर अगर आपने गौर किया होगा, वह टाई नॉट है, जैसे कि द एल्ड्रेड नॉट, द ट्रिनिटी नॉट और द रोज नॉट, जैसे कुछ नाम हैं, जो क्लासिक सूट को बोल्ड लुक देते हैं। वह जो लुक पसंद करते हैं, उसके लिए मैं हर छोटी बारीकी पर विचार करती हूं। बटन और कपड़े सीधे इटली से आयात किए जाते हैं और इस

वजह से सही सामग्री खरीदने में बहुत समय लगता है। इन सामग्रियों को खरीदने से पहले, कैमरे पर फिट होने के लिए उनका स्क्रीन टेस्ट किया जाता है। फिर ऑर्डर किया जाता है।

अमिताभ बच्चन के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताएं? कोई यादें ?

वह बहुत ही मिलनसार हैं और मैं उन्हें स्टाइल का जो भी सुझाव देती हूं, वह उसका स्वागत करते हैं। उदाहरण के लिए, पिछले साल मैंने तीन-पीस सूट का सुझाव दिया था, वह तुरंत विभिन्न शैलियों को आज़माने के लिए सहमत हो गए। वह जो भी पोशाक अपनाते हैं, वह एक स्टाइल स्टेटमेंट बन जाती है।

क्या अमिताभ बच्चन स्टाइल में अपना इनपुट देते हैं ?

वह सुझाव लेने और देने के लिए बहुत खुले हैं। वास्तव में पिछले साल, उन्होंने टाई पर ब्रोच पेश किया था क्योंकि वह कुछ अलग करने की कोशिश करना चाहते थे। हमें ब्रोच बनाना था क्योंकि यह बाज़ार में उपलब्ध नहीं था और पिछले साल उनके पहले प्रोमो के ऑन-एयर होने के साथ स्टाइल भी लॉन्च किया गया। कुछ ही हफ्तों में, मुंबई के भीतर, सभी फैशन आउटलेट में वे ब्रोच मिलने लगे। इस वर्ष हमने उनकी जैकेट के लिए लाइट लुक पर काम किया, जैसे कि न्यूनतर लैपेल पिन जो उनके टाई में उपयोग किए जा रहे हैं।

केबीसी में मिस्टर बच्चन के अलावा आप किन सेलेब्रिटीज़ को स्टाइल करती हैं?

मैं किरन खेर की स्टाइलिस्ट भी हूं और अलग-अलग रियलिटी शो के लिए उन्हें स्टाइल किया है। जब एथनिक फैशन की बात आती है, तो उनके साथ काम करने में मज़ा आता है। उनके पास फैशन के बारे में बहुत जानकारी है। और भी कई स्टार्स हैं।

आपने कभी केबीसी जैसे शो से जुड़े होने की कल्पना की थी ?

मैं सिद्धार्थ बसु को श्रेय देना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत शाहरुख खान के साथ एक रियलिटी शो में की थी। जब मैं केबीसी में आई तो मेरी पुरानी यादें ताज़ा हो गईं। मैं तब पर्दे के पीछे काम कर रही थी और पिछले सीज़न से ही मैंने व्यक्तिगत रूप से अमिताभ बच्चन के लिए डिज़ाइन करना शुरू किया था।

मुझे उम्मीद है कि इस सीज़न में, दर्शकों को शो के साथ-साथ बच्चन के लुक से भी प्यार हो जाएगा।

सोशल मीडिया से दूर सारा

सारा केदारनाथ की विफलता के बाद लगातार आगे बढ़ रही है। इसमें उनकी दूसरी फिल्म सिंबा का बड़ा हाथ रहा है। इम्तियाज अली की अनाम फिल्म के अलावा डेविड धवन के कुली नंबर-1 के रीमेक में भी वरुण धवन के साथ उनकी जोड़ी बनाई गई है। सोशल मीडिया के इस दौर में भी वह उसका इस्तेमाल न के बराबर करती है। सारा के मुताबिक कार्टून फिल्में मुझे काफी रिलीफ देती हैं। मेरे ख्याल से सोशल मीडिया में ज्यादा माथा-पच्ची करने की बजाय ये कार्टून के किरदार आपको ज्यादा राहत देंगे।

जैकलीन-साजिद की दोस्ती

अभी तीन-चार महीने पहले फराह खान के भाई साजिद खान और अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिज के रोमांस की खबरें खूब सुर्खियां बनी थीं। पर एक दिन अचानक साजिद खान के खिलाफ आरोप लगाकर जैकलीन ने साजिद से शादी करने से इनकार कर दिया था। अब लगता है दोनों के बीच की कटुता खत्म होने लगी है। असल में हुआ यह कि साजिद खान के जीजा शिरीष कुंडेर की फिल्म में जैकलीन काम कर रही है। उसी में साजिद के साथ उनकी बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। वैसे भी साजिद के पास छिटपुट टीवी के अलावा फिल्मों में कोई काम नहीं है। वैसे भी जैकलीन की स्थिति इंडस्ट्री में पहले जैसी नहीं रही है।

कल्कि को मिला नया प्यार!

फिल्म 'देव डी' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली कल्कि कोचलिन काफी वक्त से फिल्मों में दिखाई नहीं दे रही हैं। अनुराग कश्यप से ब्रेकअप के बाद से ही वह लाइमलाइट से दूर हैं। बॉलीवुड में पिछले 9 सालों में कल्कि ने कई फिल्मों में काम किया है लेकिन इन दिनों वह वेब सीरीज़ में बिज़ी हैं। अपनी एक्टिंग के दम पर कल्कि ने एक खास पहचान बनाई है पर इस वक्त कल्कि अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में वह नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज़ 'सेक्रेड गेम्स' के सीज़न-2 में नज़र आई हैं। इसके अलावा वह अपनी एक फोटो को लेकर सुर्खियों में हैं जो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस नई फोटो में एक्ट्रेस एक मिस्ट्री ब्वॉय के साथ नज़र आ रही हैं। इस मिस्ट्री ब्वॉय का नाम हर्षबर्ग है। फोटो से

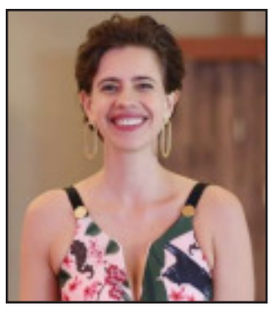

ये कयास लगाए जा रहे हैं कि हर्ष उनके ब्वॉयफ्रेंड हैं। तस्वीर में कल्कि और हर्ष एक बीच पर खड़े हैं और कल्कि इस फोटो में उनके साथ काफी खुश भी दिख रही है। वैसे कल्कि की लाइफ में इस प्यार का पदार्पण काफी पहले हो चुका है लेकिन सुर्खियों में यह तस्वीरें अब आई हैं। शायद कल्कि का यह कोई नया पब्लिसिटी फंडा है। वैसे भी उनके पास एक-दो बेब सीरीज़ के अलावा कोई खास प्रोजेक्ट तो है नहीं, शायद इसी बहाने बॉलीवुड के गलियारों में उन्हें फिर से वापसी मिल जाये। वैसे भी कल्कि को इंडस्ट्री में लोग उनके अभिनय के लिये कम, अनुराग की एक्स वाइफ के तौर पर ज्यादा जानते हैं। कल्कि ने फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप से साल 2011 में शादी की थी। लेकिन दोनों ने 2013 में अलग होने का ऐलान किया और 2015 में तलाक ले लिया। वैसे तलाक के बाद भी दोनों की दोस्ती कायम है।

सिंगापुर के मैडम तुसाद म्यूजियम में हुआ श्रीदेवी के मोम के पुतले का अनावरण

सिंगापुर के मैडम तुसाद म्यूजियम में अब बॉलीवुड के सितारों का ताँता लग चुका है। बॉलीवुड के लग भग सभी दिग्गज कलाकारों का मैडम तुसाद में मोम का पुतला बन चूका है। बॉलीवुड के सितारों की चमक अब सिंगापुर को भी भाने लगी है और इस ही चमक को बरक़रार रखने के लिए अब खुद बॉलीवुड की चांदनी भी वहाँ पहुँच गयी है। जी हाँ, मैडम तुसाद में अब श्रीदेवी का पुतला भी शामिल हो चुका है। 4 सितम्बर की सुबह श्रीदेवी के पति बोनी कपूर, उनकी बेटी जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर ने खुद उनके मोम क पुतले का अनावरण किया। इस मौके पर उनका पूरा परिवार बहुत ही भावुक हो गया था।

इस मौके की कुछ तसवीरें और वीडियो में साफ़ देखा जा सकता है की कैसे जाह्नवी और

खुशी अपने माँ को एक टक निहार रहीं हैं। वहीँ खुद बोनी कपूर भी श्रीदेवी के पुतले को देख भावुक होने से खुदको रोक नहीं पाए। मीडिया के सामने भी पोज़ देते वक़्त वे कभी आश्चर्य से श्रीदेवी के पुतले को देखते तो कभी अपनी भावुक बेटियों का हाथ थामते नज़र आये।

श्रीदेवी का वैक्स स्टैचू इतना खूबसूरत है कि पल भर के लिए आप भी अचंभे में पड़ जायेंगे की कहीं वे वास्तव में तो वहां नहीं खड़ी हैं! इस खास मौके पर श्रीदेवी की दोनों बेटियां जाह्नवी और खुशी कपूर अत्यंत ही भावुक नजर आईं। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि कैसे दोनों बेटियां अपनी माँ के पुतले को देख उनके प्यार और स्नेह को महसूस करने की कोशिश कर रहीं हैं. एक अन्य तस्वीर में श्रीदेवी का पूरे परिवार को भी देखा जा सकता है जिसमें वे सभी उनके वैक्स स्टैचू के साथ खड़ा है।

15 साल की शेफाली के भारतीय टीम में चयन से खुश हैं अनिरुद्ध चौधरी

नयी दिल्ली। बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने कहा कि युजवेंद्र चहल और मोहित शर्मा का राष्ट्रीय टीम में चयन उनके लिए संतोषजनक था लेकिन हरियाणा की 15 वर्षीय स्कूली छात्रा शेफाली वर्मा के भारतीय महिला टीम में चयन से वह अधिक खुशी महसूस कर रहे हैं। हरियाणा की शेफाली को महिला टी20 चैलेंजर और आयु वर्ग के टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20

विश्व कप में भारत की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया तो इससे मुझे बेहद संतोष मिला लेकिन शेफाली के चयन के बारे में सुनकर मुझे अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। चौधरी ने कहा कि जब युजी और मोहित ने अधिक खुशी हुई। हरियाण क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव चौधरी ने कहा, ''यह सोचकर काफी अच्छा लगता है कि हरियाणा की 15 साल की लड़की सीनियर राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनेगी। मेरी बड़ी बेटी 11 साल की है और शैफाली 15 साल की है। इसलिए मेरे लिए यह माता-पिता को होने वाले अहसास की तरह है। चौधरी को खुशी है कि कुछ साल पहले उन्होंने रोहतक की अकादमी के लिए शेफाली के नाम की सिफारिश की थी।

सोनू की टीम ने जीती कबड्डी प्रतियोगिता

बल्लभगढ़। गांव अटाली में शहीद संदीप कालीरमन की स्मृति में आयोजित हरियाणा सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब सोनू कुराना टीम ने जीता। फाइनल में कुराना टीम ने रवि दियौरा की टीम

को चार अंक से परास्त किया। रवि दियौरा की टीम उपविजेता बनी। प्रतियोगिता में अंकित जौरासी व मोहित नंदगढ़ को संयुक्त रूप से बेस्ट रेडर चुना गया तथा बेस्ट कैचर के रूप में छोटी कुराना को चुना गया।

प्रतियोगिता में कुल 38 टीमों ने भाग लिया। इनमें गांव राजपुरा, कुराना, दियौरा, जोरा, मंडनाका, खुशी, अकबरपुर, कुराड, मुजेडी, नवादा, दयालपुर, रवि दौरा, तिगांव, नरहावली, छांयसा, बदरपुर प्रमुख रूप से शामिल थी। विजेता खिलाड़ियों को लेबरफेड के पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र तेवतिया ने पुरस्कार बांटे।

इस मौके पर तेवतिया ने युवाओं से शहीद संदीप सिंह से प्रेरणा लेकर उनके बताए हुए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। बता दें कि गांव अटाली के सैन्य जवान संदीप सिंह ने पुलवामा में पोस्टिंग के दौरान फरवरी माह में आतंकवादियों से मुकाबला करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

इस अवसर पर प्रताप कालीरमन, शहीद संदीप के भाई सोनू कालीरमन, प्रहलाद सरपंच, हरेंद्र सिंह, ताराचंद कालीरमन, सुरेंद्र सिंह, ललित कुमार, विकास, मुकेश मास्टर, खुशी कालीरमन, श्रवण पंडित, बब्बे सिंह, जीतमल, डॉ. महीपाल सिंह, गीतेश सिंह, सतपाल सिंह मौजूद थे।

हरियाणा स्टेट कैंप अंडर 19 में तीन खिलाड़ियों का चयन

फरीदाबाद। अंडर 19 कैंप में फरीदाबाद से हरियाणा स्टेट अंडर 19 कैंप में अहांन पोद्दार, हर्षवर्धन सिंह, आयुष नेगी शामिल है रोहतक में 7 सितम्बर से लगने वाले हरियाणा अंडर 19 कैंप में फरीदाबाद के 3 खिलाडी को शामिल किया गए है। जिला क्रिकेट एसोसिएशन एग्जीक्यूटिव प्रेसीडेंट रजत भाटिया ने बताया कि आयुष नेगी का चयन अंडर-19 इंटर डिस्ट्रिक में सबसे जायदा रन बनाने के चलते किया गया है। इसके अलावा इस कैंप में फरीदाबाद के 3 खिलाडी हर्षवर्धन सिंह, अहांन पोद्दार, आयुष नेगी। जिला क्रिकेट एसोसिएशन एग्जीक्यूटिव प्रेसीडेंट रजत भाटिया ने कैंप के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी है।

अहांन पोद्दार राइट हैंड ओपनर बल्लेबाज हैं। अहांन पोद्दार ने अंडर-19 इंटर डिस्ट्रिक और लोकल क्रिकेट में भी काफी छाप

छोड़ रखी है। वह धमाकेदार पारी खेलने के लिए जाने जाते है। अहांन पोद्दार, हर्षवर्धन सिंह, आयुष नेगी, द क्रिकेट गुरुकुल में लेवल ए कोच अनिकेत उपाध्याय के अंडर में कोचिंग प्राप्त कर रहे हैं अनिकेत ने बताया कि यह तीनो खिलाडियों ने रात को भी इंडोर में बल्लेबाजी की प्रैक्टिस की है। इंडिया ए टीम के कोच विजय यादव का कहना है कि तीनो खिलाडियों हरियाणा स्टेट टीम में भी जगह बनाने की पूरी उम्मीद है। यह कैंप उनके आगे बढ़ने की सीढ़ी है। प्रेसीडेंट रजत भाटिया ने बताया कि सभी खिलाड़ियों को कैंप के लिए सूचित कर दिया गया है। वह यहां से रवाना हो गए हैं।

दिव्या ने सौ मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा का भी स्वर्ण जीता

फरीदाबाद। जलपरी दिव्या सतीजा ने भोपाल में चल रही नेशनल स्वीमिंग चैंपियनशिप में नया कीर्तिमान स्थापित करने के बाद अगली प्रतिस्पर्धा में भी कामयाबी हासिल की। उन्होंने मंगलवार को 100 मीटर बटरफ्लाई इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। दिव्या ने एक मिनट चार सेकेंड से अधिक समय में यह उपलब्धि हासिल की। सोमवार को दिव्या ने 50 मीटर बटरफ्लाई इवेंट में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अब 100 मीटर की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत कर दिव्या ने दोहरी कामयाबी हासिल की। भोपाल में ही दिव्या के माता-पिता वेद प्रकाश सतीजा व मंजू सतीजा भी मौजूद थे। दिव्या को जब दूसरा स्वर्ण प्रदान किया गया, तो माता-पिता ने अपनी लाडली को गले लगा लिया। गर्व की अनुभूति करने वाले वेदप्रकाश सतीजा ने कहा कि उनकी बेटी ने हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया है।

राहुल के हरफनमौला खेल ने टीम को जिताया

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। ऑल इंडिया रविद्र फागना टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को राहुल तेवतिया के हरफनमौला खेल की बदौलत अमिगोस क्रिकेट अकादमी पानीपत को छह विकेट से हराया। पाली स्थित मैदान पर खेले गए मुकाबले में इनकम टैक्स की टीम ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। अमिगोस क्रिकेट अकादमी ने 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए। अमन खत्री ने पांच छक्कों की बदौलत 64 और उत्तम राठी ने 51 रन बनाए। इनकम टैक्स की ओर से राहुल तेवतिया ने तीन, योगेश नागर ने दो, प्रवीन थापर व अरुण चपराना ने एक-एक विकेट ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए इनकम टैक्स की टीम ने 19.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 194 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। राहुल तेवतिया ने छह छक्के लगाकर 67 और जीवनजोत सिंह ने एक छक्का लगाकर 62 रन बनाए। अमिगोस क्रिकेट अकादमी की ओर से संदीप कुमार ने दो, प्रदीप तंवर और अमन खत्री ने एक-एक विकेट ली। राहुल तेवतिया को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

गणपति विसर्जन के साथ विधि-विधान से संपन्न हुआ 5 दिवसीय गणेश महोत्सव

फरीदाबाद। कैबिनेट मंत्री विपुल के यहां सेक्टर -17 में आयोजित 5 दिवसीय गणेश महोत्सव गणपति बप्पा के विसर्जन के साथ ही संपन्न हो गया है। गणपति महोत्व के लिए बनाए गए पंडाल की भी अपनी अलग विशेषता देखने को मिली जिसकी पूरे फरीदाबाद और एनसीआर में चर्चा है, 10 हज़ार लोगों के लिए बनाए गया पंडाल पूरी तरह से इको-फ्रेंडली है, पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा गया है, पूरा पंडाल कपड़ों और फूल पत्तियों से सजाया गया जो लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। विसर्जन में भी पर्यावरण संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया विसर्जन से नदियां प्रदूषित ना हो इसके लिए विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भगवान गणेश को विदा किया गया, विसर्जन एक बड़े टैंक में किया गया जहां 3 से 4 घंटे के भीतर प्रतिमा फिर से अपने कुदरती रूप

में आ जाएगी।

गणपति विसर्जन के दिन यानी 6 सितंबर को केंद्रीय कपड़ा एवं महिला बाल विकास मंत्री स्मृति ज़ुबिन इरानी भी गणपति बप्पा के दर पर पहुंच कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और देश की संमृद्धि की कामना की। विसर्जन से एक दिन पहले माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला जी भी गणपति बप्पा के दर पर पहुंच कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और देश की तरक्की और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री विपुल गोयल ने लोकसभा अध्यक्ष का शॉल और स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया। एवं उनकी पत्नी पल्लवी गोयल ने आगंतुक महिला मेहमानों को शॉल और स्मृति चिन्ह दे कर स्वागत किया। विसर्जन से एक दिन पहले यानी 5 सितंबर का दिन फरीदाबाद के लिए सेलीब्रिटीज़ का दिन था।

मशहूर सिंगर हनी सिंह, जिनकी एक झलक पाने के लिए हज़ारों लोग टूट पड़े, एक्ट्रेस शमिता शेट्टी, सतीष कौशिक सहित बॉलीवुड की काई नामचीन हस्तियों ने भगवान गणेश के दर पर मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया और भगवान के चरणों में अपनी कला के माध्यम से अरदास लगाई।

राजस्थान एसोसिएशन ने मारवाड़ी समाज के सिरमौर लोकसभा अध्यक्ष ओमजी बिरला का किया स्वागत

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। सेक्टर 12 स्थित हुडा कन्वेंशन सेंटर में राजस्थान एसोसिएशन के द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। राजस्थानी समाज के सिरमौर लोकसभा अध्यक्ष ओमजी बिरला बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि राजस्थानी समाज पूरे भारतवर्ष में फैला हुआ है जहां पर भी जाता है वहां की माटी के विकास कार्य में जुट जाता है। अपना, देश का, क्षेत्र का नाम रोशन करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह बताई कि अपने द्वारा कमाई गई जीविका में से कुछ अंश निकालकर वह समाज क्षेत्र के कामों में अवश्य लगाता है और समाज का भला करता है। हम सभी को मिलकर मानवता के लिए आवश्यक कार्य करने चाहिए। हरियाणा सरकार उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने ओमजी बिरला का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। राजस्थान एसोसिएशन के अध्यक्ष

मधुसुधन लड्ढा ने बताया कि 1976 से ही राजस्थान एसोसिएशन सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। समय-समय पर लोगों को जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जाता है।

जिला रेडक्रॉस सोसायटी के साथ मिलकर दिव्यांग बच्चों का एक स्कूल भी संस्थान के द्वारा चलाया जाता है। सामाजिक के बहुत से कार्य किए जाते हैं। बिरला जी का स्वागत महेश्वरी मंडल, जैन श्वेतांबर तेरापंथी समाज, वैश्य समन्वय समिति , मारवाड़ी युवा मंच फरीदाबाद, व अन्य सामाजिक संस्थाओं ने किया। ओमजी बिरला जी को देखने के लिए राजस्थानी समाज के हर कोने से आए हुए फरीदाबाद के नागरिक भारी संख्या में प्रांगण में उनके अभिनंदन के लिए खड़े थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजस्थान एसोसिएशन के स्वागत अध्यक्ष संजीव खेमका, कार्यक्रम संयोजक अरुण बजाज, अध्यक्ष मधुसूदन लड्ढा, सचिव संजीव जैन, कोषाध्यक्ष गुलाब वैद्य, राजकुमार अग्रवाल, गौतम चौधरी, पवन बजाज, नारायण झवर, टीएम ललानी,एमपी रुंगटा ,वी एस चौधरी,एचपी कोठारी, एसपी अग्रवाल, आर के जैन, ओपी टाटिया, मधुसूदन माटोलिया, विमल खंडेलवाल, हुलाशा गट्टानी, रमेश झवर, सुशील नेवर राजस्थानी समाज एवं अन्य आए हुए समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अखिल भारतीय मानव कल्याण एवं शिक्षा चिकित्सा सेवा भारती ने मनाया शिक्षक दिवस

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के सहकारी स्कूल अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट एवं शिक्षा चिकित्सा सेवा भारती ट्रस्ट द्वारा शिक्षाक दिवस मनाया इस अवसर पर अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट की राष्ट्रीय पदाधिकारी सुषमा

तेवतिया ने शिक्षाक दिवस पर विस्तार से प्रकाश डाला व स्कूल के बच्चों को पर्यावरण के लिए जागरूक किया और प्लास्टिक व पोलोथिन का इस्तेमाल न करने की अपील की व कागज से रिसाईकिल कर पेंसल को प्रयोग करने के लिए उत्साहित किया द्य

जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता, क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। राष्ट्रीय महामंत्री ह्रदयेश सिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म-दिवस के अवसर पर शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए भारतभर में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को मनाया जाता है। गुरु का हर किसी के जीवन में बहुत महत्व होता है। समाज में भी उनका अपना एक विशिष्ट स्थान होता है। तथा शिक्षा चिकित्सा सेवा भारती ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश गोयल ने बताया गुरु-शिष्य का संबंध - गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है जिसके कई स्वर्णिम उदाहरण इतिहास में दर्ज हैं। शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट की राष्ट्रीय प्रभारी एडवोकेट नीरज भारद्वाज ने कहा कि विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों का ही दायित्व है कि वे इस महान परंपरा को बेहतर ढंग से समझें और एक अच्छे समाज के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें। इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्य सुनीता, अध्यापिका पूनम, लता, सरिता, गीता, मंजू, लीना, अर्चना, सविता और अमिता और अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेंद्र शर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुबलेश मलिक, राष्ट्रीय महासचिव महेश शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री, ह्रदयेश सिंह, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, कोषाध्यक्ष मधु शर्मा, राष्ट्रीय सचिव नीलम तेवतिया, राष्ट्रीय सचिव सुष्मिता भौमिक, प्रदेश अध्यक्ष संगीता नेगी, सुषमा तेवतिया, राष्ट्रीय सचिव डॉ महेंद्र भारद्वाज, राष्ट्रीय सचिव सुबोध कुमार साह, ट्रस्टी विमलेश देवी, राष्ट्रीय प्रभारी धर्मेंद्र चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुंवर लखन रावत, मंजू, राजेश, आदि बहुत से कार्य कर्ता उपस्थित रहे।

गांव भी होंगे निर्मल, कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना तय

फरीदाबाद। अब गांवों को निर्मल बनाने के रास्ते में रोड़ा अटकाने वालों पर जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। इसके तहत कूड़ा फेंककर गंदगी फैलाने वालों से ग्राम पंचायत जुर्माना वसूलेगी। यहां तक कि पंचायत सरे-राह थूकने वाले लोगों पर भी जुर्माना लगा सकेगी।

विकास एवं पंचायत विभाग के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत प्रति माह प्रत्येक परिवार से 40 रुपये, होटल-ढाबों से 100 रुपये, वैवाहिक स्थल संचालकों से 500 रुपये, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से 750 रुपये, शिक्षण संस्थानों से 200 रुपये, क्लीनिक, डिस्पेंसरी व होस्टल से 800 रुपये और धार्मिक संस्थान से एक हजार रुपये प्रतिमाह चार्ज करेगी।

पंचायतों को यह भी अधिकार दिया गया है कि वे 150 से 300 परिवारों वाले गांव में 2 और 500 घरों वाले गांवो में 3 और 500 से अधिक घरों वाले गांवों मे 4 सफाई कर्मचारी रख सकते हैं। इनका मानदेय पंचायतें जुर्माना राशि व मासिक चार्ज से देंगी। अतिरिक्त उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि खाली प्लाटों से कचरे व कूड़ा घर को हटवाया जाए। इस तरह लगेगा जुर्माना

रेहड़ी व अन्य वाहन से कचरा फेंकने पर 50 रुपये, दुकानदारों द्वारा कचरा फेंकने पर 250 से 500, धार्मिक स्थलों पर 250, शिक्षण संस्थानों पर 500, उद्योगों पर 1500, होटलों/ढाबों पर 500, खाली प्लॉटों पर 100, रोड, पार्क या गली में कचरा फेंकने पर 100, खुले में लघुशंका करने पर 2 हजार, नाई द्वारा कचरा फेंकने पर 800, समारोह/रैली के आयोजनकर्ताओं द्वारा कचरा फेंकने पर 1 हजार, पशुओं द्वारा गंदगी फैलाने पर मालिक पर 1 हजार, सरेआम कचरा जलाने पर 5 हजार, जोहड़/तालाब/जलघर में कचरा डालने, दीवारों पर पोस्टर या पेंटिग करने वालों पर 1 हजार और गोबर सार्वजनिक जगह डालने पर 750 रुपये जुर्माना किया जाएगा।

भारी-भरकम चालानों से जनता की जेब काटकर सरकार कर रही मंदी की भरपाई: दुष्यंत चौटाला

फरीदाबाद। जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि आज प्रदेश में भाजपा सरकार के घोटाले दिन-प्रतिदिन उजागर हो रहे है। नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने अखबार में छपी खबर का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा सरकार के एक मंत्री के दामाद पर कई हजार करोड़ रूपए के घोटाले में गैर जमानती वारंट जारी हुआ है। दुष्यंत ने भाजपा सरकार से पूछते हुए कहा कि इसी तरह ओवरलोडिंग, एससी-एसटी छात्रों की छात्रवृत्ति, रोडवेज में किलोमीटर स्कीम जैसे कई बड़े-बड़े घोटालों पर अब तक मुख्यमंत्री मनोहर लाल जनता को कारण क्यों नहीं बता रहे है।

इस दौरान वरिष्ठ जेजेपी नेता ने नए मोटर व्हीकल कानून पर कड़ा एतराज जताते हुए हैरानी जताई कि क्या किसानों के नान ट्रांसपोर्ट व्हीकल ट्रैक्टर का 59 हजार, बाईक का 32 हजार का चालान करना जायज़ है। उन्होंने कहा कि इस तरह से भारी-भरकम जुर्माने लगाना सरकार की मंशा को दर्शाता है कि वे अर्थव्यवस्था

में आई भारी मंदी की भरपाई आम जनता की जेब पर डाका डालकर पूरा करना चाहती है।उन्होंने कहा कि सरकार ने नए मोटर व्हीकल कानून के बारे में जनता को जागरूक किए बिना ही उन पर नया कानून थोपने का काम किया है जिसमें अधिकतम चालानों के जुर्माने की रकम बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इस तरह से सरकार द्वारा जनता पर दवाब बनाकर उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ डाला है जिसके परिणाम भी अब सामने आने लग गए है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा है कि एक बाईक का मालिक भारी-भरकम जुर्माने से परेशान आकर अपनी बाईक को आग लगा रहा है। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अगर ऐसे ही हालात बने रहे तो कमेरे वर्ग के लोगों को सरकार बाईक से उतार कर साइकिल या पैदल चलने पर मजबूर कर देगी।

वहीं दुष्यंत चौटाला ने सोनीपत में सीएम की चुनावी रथ यात्रा के दौरान आत्मदाह की कोशिश करने वाले व्यक्ति की रोहतक पीजीआई में मौत होने पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि इस घटना से मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपना असंवेदनशील चेहरा सबके सामने रखा है।

शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने निकाली स्वच्छता जागरूकता रैली

फरीदाबाद। बड़ौली हाई स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया, शिक्षक दिवस राष्ट्रीय निर्माण के सबसे बड़े माध्यम शिक्षक सम्मान का दिन है, मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता, शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने बच्चों को हाथो में ग्रीन सीटी व कलीन सीटी के बेनर लिये रवाना करते हुए कहा कि माँ-बाप के बाद यदि सबसे बडा प्यारा कोई रिश्ता है तो वह गुरू व शिष्य का होता है गुरू की इच्छा होती है कि उनका शिष्य बहुत बड़ा मुकाम हासिल करें। वशिष्ठ ने कहा कि डा0 सर्वपल्ली राधाकृष्ण के जन्म दिन को शिक्षक दिवस के तौर पर मनाया जाता है 27 बार नोबल पुस्तकार के लिए नामित किये गये थे जब वह राष्टपति बने तब छात्रों ने उनका जन्मदिन मनाना चाहा इस पर उन्होंने कहा कि मेरा जन्मदिन मनाने की वजह 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाये।

मोदी व शाह द्वारा 370 खत्म करने का एहसान 90 सीटें जितवाकर चुकाए हरियाणा: वीरेश शांडिल्य

फरीदाबाद। ओडिशा के राज्यपाल गणेशी लाल व हरियाणा के उद्योग मंत्री विपुल गोयल को गणेश उत्सव पर समाज मे उनकी सरहनीय व ईमानदारी से दी जा रही सेवाओ को लेकर ब्राह्मण

महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एव श्री हिन्दू तख्त के राष्ट्रीय प्रचारक वीरेश शांडिल्य ने भगवान परशुराम व माँ सरस्वती की प्रतिमा और दोशाला देकर सम्मानित किया । यह सम्मान शांडिल्य ने फरीदाबाद के सेक्टर 17 में विपुल गोयल द्वारा आयोजित गणेश उत्सव में दिया । शांडिल्य ने कहा कि प्रोफेसर गणेशी लाल व मंत्री विपुल गोयल जैसे ईमानदार राजनेताओ की इस देश व प्रदेशो को जरूरत है । उन्होंने कहा कि हरियाणा के उद्योग मंत्री विपुल गोयल एक संस्थान है और सही मायनों में मोदी,अमित शाह की सोच पर पहरा देते हुए फरीदाबाद व हरियाणा के लोगो की एक चौकीदार के रूप में सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा मोदी ने देश मे व खट्टर ने हरियाणा में राजनीति के मायने बदल दिए अब आने वाले समय मे राजनीति वह लोग ही करेंगे जो नर सेवा को नारायण सेवा की सोच रख कर चलते हैं और खट्टर ओर विपुल गोयल जैसे राजनेता हरियाणा में इसकी मिसाल बने । उन्होंने गणेश उत्सव पर कहा कि उनका ब्राह्मण महापंचायत व श्री हिन्दू तख्त हरियाणा में खट्टर के नेतृत्व में बीजेपी को समर्थन करता है और उन्होंने प्रदेश की सवा दो करोड़ जनता से अपील की जैसे मोदी को हरियाणा में 10 की 10 सीटें खट्टर के नेतृत्व में मिली ऐसे ही खट्टर को भी 90 की 90 विधानसभा सीटें देकर मोदी व शाह द्वारा 370 खत्म करने का एहसान उतारने का जनता काम करे ताकि देश व प्रदेश विकास की ओर बढ़ हो सकें । इस मौके पर कुलवंत सिंह मानकपुर, किशन ठाकुर, राजेश नगर, सचिन शर्मा, सुरेश शर्मा,वासु रंजन,पंकज शर्मा,शिव रंजन शांडिल्य,मदन भारद्वाज, सुरेन्द्रपाल केके, विकास ठाकुर, कमल कोहली, राजेश शर्मा सहित ब्राह्मण महापंचायत,एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया व श्री हिन्दू तख्त के सदस्य मौजूद थे ।

कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन

फरीदाबाद। प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर आज कांग्रेसियों ने फरीदाबाद में जोरदार विरोध प्रदर्शन कर भाजपा सरकार पर चौतरफा वार किया। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डा. अशोक तंवर ने कहा कि आज फरीदाबाद ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। जिसके चलते लोग भय के साये में जी रहे है। हालात इतने खराब है कि शायद ही कोई ऐसा दिन जाता होगा जहां बदमाशों द्वारा कोई हत्या न की जाती हो। राजनैतिकों से लेकर व्यापारी व पत्रकार भी सुरक्षित नहीं है।

दूसरी तरफ हरियाणा में सत्ता के मद में मदमस्त हो प्रदेश के मुख्यमंत्री जन आशीर्वाद यात्रा के तहत फिर से प्रदेश के लोगों को गुमराह करने के लिए निकले हुए है। तंवर आज सैक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व तय कार्यक्रम अनुसार सैक्टर-9-10 डिवाईडिंग रोड़ स्थित दिवंगत कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता विकास चौधरी के कार्यालय से एक विशाल जुलूस भी निकाला गया जो लघु सचिवालय तक पहुंचा।

इस दौरान भारी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार मुर्दाबाद व विकास चौधरी

अमर रहे के नारे भी लगाए। कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों में नारे लिखी पट्टियां भी ले रखी थी। वहीं प्रदर्शन में महिलाओं भी काफी संख्या में मौजूद रही। प्रदर्शन का संयोजन स्व. विकास चौधरी के भाई गौरव चौधरी द्वारा किया गया।

जबकि संचालन कांग्रेस के प्रदेश महासचिव एवं जिला के प्रभारी मोहम्मद बिलाल द्वारा किया गया। वहीं इस मौके पर प्रदेश सचिव सुमित गौड़, राधा नरूला, राकेश भड़ाना, गजे सिंह कबलाना, राजेन्द्र शर्मा, बलजीत कौशिक, सतबीर डागर, पराग शर्मा, डा. धर्मदेव आर्य, अनीषपाल, पं. एस.एल.शर्मा, नरेश गोदारा, मनोज अग्रवाल, इन्दर दलाल, गजेन्द्र सिंह, संतराम मेघवाल सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

डा.अशोक तंवर ने कहा कि पूरे पांच साल में फरीदाबाद एक जंगल राज के रूप में तब्दील हो गया। हत्या, डकैती, फिरौती, राहजनी यहां आम बात हो गई है। इसी का परिणाम है कि फरीदाबाद यहां पांच सालों में व्यापारिक दृष्टि से काफी पीछे चला गया है, क्योंकि यहां पनपे भय के चलते कोई नया उद्योग ही नहीं आ पाया।

उल्टे यहां स्थित औद्योगिक इकाईयां भी धीरे-धीरे सिमटती चली गई। उन्होंने भाजपा के पांच साल के राज को पूरी तरह से फेल बताते हुए कहा कि भाजपाई इस कार्यकाल में सिवाय जुमलेबाजी की डुगडुगी बजाने के अलावा प्रदेश के लोगों को कोई खास सौगात नहीं दे पाए। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव अब सिर पर है तथा अब प्रदेश की जनता इन जुमलेबाजों की जुमलेबाजी में आने वाली नहीं है और निश्चित तौर पर सोनिया गांधी व राहुल गांधी के नेतृत्व में हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि गाय, गीता, मंदिर व जात-पात के नारों में ही लोगों को उलझाए रखा। यही कारण रहा कि कभी शांति व भाईचारे की अनोखी मिसाल कायम करने वाले हरियाणा को भी तीन-तीन बार दंगों की आग में झुलसना पड़ा। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डा. अशोक तंवर ने विकास चौधरी मर्डर का मुद्दा उठाते हुए कहा कि धीरे-धीरे इस हत्याकाण्ड की कलई अब खुलने लगी है। उन्होंने बड़ी हैरानी व्यक्त की कि इस हत्याकाण्ड में उसी का अंगरक्षक ने ही भक्षक की भूमिका निभाई और इस हत्याकाण्ड में पुलिस कर्मी ने भी षडयंत्रकारियों का साथ देकर वर्दी को दागदार किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। Phone: 011-26386221 Mob.: 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338

ओडिशा के राज्यपाल प्रो.गणेशी लाल बप्पा के दरबार में

फरीदाबाद। उद्योग मंत्री विपुल गोयल के सेक्टर-17 स्थित निवास पर चल रहे गणपति महोत्सव में अलग-अलग क्षेत्रों की हस्तियां पहुंची। बुधवार को ओडिशा के राज्यपाल प्रो.गणेशी लाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। राज्यपाल ने गणेश प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर हाजिरी लगाई और आशीर्वाद लिया। उन्होंने सुबह की आरती में हिस्सा लिया। महोत्सव में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, भाजपा सांसद और सूफी गायक हंसराज हंस, लोक निर्माण मंत्री राव नरवीर सिंह, बॉलीवुड अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह ने भी हिस्सा लिया। पंडाल में हस्तियों के पहुंचने पर उद्योग मंत्री विपुल गोयल, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने अभिनंदन किया। राज्यपाल प्रो. गणेश लाल ने कार्यक्रम के आयोजन पर विपुल गोयल को

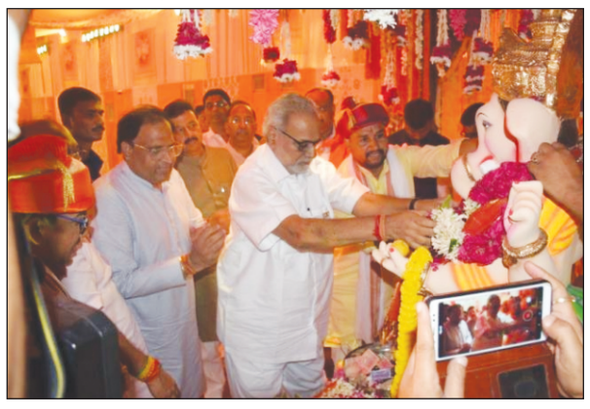

बधाई दी।

गायक हंसराज हंस, अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह ने बप्पा के दरबार में हाजिरी लगाने के साथ भजन भी प्रस्तुत किए। हस्तियों के बीच बच्चों ने भगवान गणेश के भजन पर खूबसूरत नृत्य प्रस्तुत किया। गायक विशाल मिश्रा ने भी गणपति बप्पा के दरबार भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी।

महाराष्ट्र मित्र मंडल की ओर से आयोजित सार्वजानिक श्री गणेश उत्सव में भजन संध्या का आयोजन किया गया। स्वर साधना मंदिर की निदेशक संगीत गुरु अंजू मुंजाल के ग्रुप के कलाकारों ने नृत्य व गायन की प्रस्तुति दी। शुभम एवं कौशल की सुंदर प्रस्तुति ने रंग जमा दिया। दृष्टि ने और नंदनी ने तेरे मोटे मोटे नैन भजन की प्रस्तुति दी। प्रणव ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। शालू ने जब से सांवरे ने पकड़ा भजन प्रस्तुत किया। ऐसे ही पूजा, सुकृति, विकास, चेतन एवं सावन ने भी भजनों की प्रस्तुति से समां बांध दिया। देशभक्ति गीत पर नेहा, रिया, इंदिशा, गार्गी, संवेदना, सान्या, खुशी एवं मिताली ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर मंडल के संरक्षक सुधाकर पांचाल और अध्यक्ष राजेंद्र पांचाल ने सभी कलाकारों को पुरस्कृत किया।

सतयुग दर्शन विद्यालय में शिक्षक दिवस का आयोजन

फरीदाबाद। सतयुग दर्शन विद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया गया। विद्यालय के सभा भवन में शैक्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सर्वमननीये व परम आदरणीय सजन का स्वागत विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ जयश्री भार्गव जी के करकमलों से इको फ्रेंडली पौधा भेंट करके किया गया।

इस अवसर पर सतयुग दर्शन संगीत कलाकेन्द्र की चेयरमैन श्रीमति अनुपमा तलवार जी, सतयुग दर्शन ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री राजेन्द्र ठुकराल जी, सतयुग दर्शन विद्यालय के चेयरमैन श्री मोहित नारंग जी, सतयुग दर्शन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज के प्रधानाचर्य डॉ मुहम्मद नूर देशमुख जी, सतयुग दर्शन इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन एंड रिसर्च की चेयरमैन श्रीमति मीरा तनेजा जी प्रधानाचार्या डॉ कुमुद दीक्षित जी, सतयुग दर्शन संगीत कलाकेन्द्र के प्रधानाचार्य श्री दीपेन्द्र कांत जी, सभी शिक्षक, आचार्य व प्राचार्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन की पारंम्परिक भूमिका निभाते हुए महामंत्र 'साडा है सजन राम, राम है कुलजहान' का सात बार उच्चारण करने के साथ हुआ। सर्वप्रथम स्वागत गीत के साथ विद्यार्थियों ने भाषण, समहूगान एवं समहू नृत्य द्वारा अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान को प्रकट किया जो की अत्यंत भावपूर्ण व संवेदनीय था। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने एक भावपूर्ण शिक्षात्मक नाटक पस्तुत किया, जिसमे यह समझाया गया की गुरु शब्द की महता को समझने के लिए उस योग्यता को धारण करना पड़ेगा जो सतयुग चलन अनुसार प्रचलित थी। आज भी हम कलयुगी चलन त्याग कर सतयुगी भाव अपना कर गुरु यानी शब्द से मेल खा सकते हैं।

इस महतवपूर्ण अवसर पर श्री सजन जी ने शिक्षक समहू को विशेष उपहारों द्वारा सम्मानित करते हुए कहा की शिक्षक या गुरु सदा सम्माननीय होता है, क्योंकि उसके कंधो पर देश व समाज का भविष्य निर्भर करता है, इसलिए शिक्षक को अपनी गरिमा में बने रह कर स्वंम आत्मनिरीक्षण करते हुए सतर्कता से अपने दायित्व पर खरे उतरने को कहा, तभी शिक्षक और विद्यार्थी दोनों अनुशासन में बंध अपने जीवन को सफल बनाकर समाज के लिए कल्याणकारी बन सकते है।

यूनिवर्सल अस्पताल ने लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

फरीदाबाद। मोल्डबंद रोड, बाइपास रोड स्थित यूनिवर्सल अस्पताल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें शुगर, ब्लड व ईको आदि की जांच की गई। शिविर में 116 मरीजों ने अपना चैकअप कराया। शिविर में अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेष जैन, डा. रीति अग्रवाल, डा. श्रुति एवं रतन, खुशी की टीम ने लोगों की जांच की और उनको उचित परामर्श दिया। उन्होंने शिविर में आए मरीजों को बीमारियों से बचने के तरीके भी बताए। डॉ. शैलेष जैन ने बताया कि अस्पताल द्वारा हर महीने इस तरह के निशुल्क शिविरों का आयोजन किया जाता है जिनमें मरीजों को निःशुल्क जांच व परामर्श आदि दिया जाता है। इसके

अलावा अस्पताल परिसर में आने वाले गरीब मरीजों को भी विशेष छूट का भी प्रावधान है। डा. जैन ने कहा कि गरीब एवं असहाय लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना पुण्य कार्य है और इसमें हम सभी को भागीदारी करनी चाहिए। डा. शैलेष ने बताया कि किस प्रकार लोगों को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर अपने आपको स्वस्थ रखना चाहिए। उन्होंने बढ़ते हुए हृदय रोगों को चिंतनीय विषय बताते हुए कहा कि आज की जीवनशैली बहुत ही तनावपूर्ण एवं अव्यवस्थित है, जिसके चलते लोगों को हृदय संबंधी परेशानियां ज्यादा होती हैं, इसलिए हमें इनसे बचने के लिए अपनी जीवनशैली में आवश्यक सुधार करना होगा और इसके साथ-साथ व्यायाम को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना होगा।

सोहना रेलवे पुल को चार लेन बनाने की योजना नहीं चढ़ी सिरे

बल्लभगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की घोषणा के तीन वर्ष बाद भी सोहना रेलवे पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। इसके चलते पुल से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन के चालक को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। अभी भी प्रशासनिक स्तर पर सिर्फ जमीन अधिग्रहण करने के लिए अधिकारियों की एक कमेटी का ही गठन हो पाया है। ये समिति दो वर्ष पहले गठित की गई थी। यदि ऐसे ही काम चलता रहा, तो ये अगली योजना में भी पुल चार लेन नहीं बन पाएगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल 14 मई-2016 को बड़खल विधानसभा क्षेत्र में रैली को संबोधित करने के लिए आए थे। यहां पर रैली में बड़खल की विधायक सीमा त्रिखा, बल्लभगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा, एनआइटी के विधायक नगेंद्र भड़ाना ने बल्लभगढ़ सोहना रेलवे पुल को चार लेन बनाने की मांग की थी। विधायकों की मांग को उचित मानते हुए मुख्यमंत्री ने योजना को मंजूर कर दिया।

पुल दो लेन होने के कारण यहां पर भारी वाहनों की वजह से ट्रैफिक जाम लग जाता है। सेक्टर-24-25 में औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण अक्सर पुल से भारी वाहन निकलते रहते हैं। दूसरा पुल से सोहना आने-जाने वाले वाहन भी निकलते हैं। यदि पुल चार लेन बन जाए, तो इस जाम से छुटकारा मिल जाएगा। पुल को चार लेन बनाने के लिए प्रशासन को कुछ जमीन अधिग्रहण करनी है।

टाटा हिताची के ऑल इंडिया सेल्स एक्सकैवेटर हैड ने किया पौधारोपण

फरीदाबाद। गणेश चतुर्थी के पावन मौके पर न्यू इंडस्ट्रियल एरिया एनआईटी स्थित टाइम इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में टाटा हिताची के आल इंडिया सेल्स एक्सकैवेटर हेड राहुल शौरे ने कंपनी के डायरेक्टर सचिन चिलाना व रीजनल मैनेजर तुषार दास, ब्रांच मैनेजर गौरव गुप्ता के साथ कंपनी प्रांगण में पौधे लगाए। इस मौके पर राहुल शौरे ने कहा कि पौधारोपण करना हम सभी का नैतिक दायित्व बनता है।

पौधों से हमें आक्सीजन मिलती है और मन की शांति भी इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए और दूसरे लोगों को भी इसके लिए प्रेरित

करना चाहिए। कार्यक्रम में पहुंचने पर कंपनी के डायरेक्टर सचिन चिलाना ने राहुल शौरे का स्वागत करते हुए बताया कि हमारी कंपनी के प्रत्येक कर्मचारी ने पौधों को बड़ा करने का संकल्प लिया हुआ है। सचिन चिलाना ने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि फरीदाबाद के हर नागरिक को एक साल में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी पेड़ बनने तक पूरी देखभाल करना चाहिए, तभी हम पर्यावरण को शुद्ध रखने में सफल हो पाएंगे।

इस अवसर पर अक्षय चावला, आशीष दुबे, ध्रुव खोसला, श्रीकांत भारद्वाज, राहुल तोमर, जगदीश कुमार, नितिन बब्बर, कुलदीप पांडे, अनुपम, अंशुल कुलश्रेष्ठ, वरुण कुमार, अच् आर मैनेजर आँचल गाँधी, नरेंदर कुमार सहित कंपनी के तमाम कर्मचारी मौजूद थे।